@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 20 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 101 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को क्लीन चिट

बंगलूरू, 19 फरवरी। मुडा मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को क्लीन चिट मिल गई है। लोकायुक्त पुलिस का कहना है कि सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन मामले में 25 सितंबर को विशेष अदालत के आदेश के बाद 27 सितंबर को लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती और पत्नी के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि मुडा जमीन आवंटन मामले में सबूतों के अभाव में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती के खिलाफ आरोप साबित नहीं किए जा सके। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने अंतिम रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी है। लोकायुक्त पुलिस ने कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को भेजे एक पत्र में कहा कि मामले में आरोपी एक से आरोपी चार के खिलाफ आरोप सबूतों की कमी के कारण साबित नहीं हुए हैं। इसलिए अंतिम रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपी जा रही है। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा 2016 से 2024 तक 50ः50 के अनुपात में मुआवजा भूखंड प्रदान करने के आरोपों की आगे की जांच की जाएगी और धारा 173 (8) सीआरपीसी के तहत एक अतिरिक्त अंतिम रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपी जाएगी। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50ः50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50त्न के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार की तरफ से योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50ः50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री की पत्नी की तीन एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा की तरफ से अधिग्रहित की गई। इसके बदले में एक महंगे इलाके में 14 साइटें आवंटित की गईं।

दिल्ली की कमान, रेखा गुप्ता के नाम

सिम्मी कौर बब्बर

जींद (हरियाणा), 19 फरवरी। रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री होंगी। वह हरियाणा के जींद के जुलाना के नंदगढ़ गांव से हैं। नंदगढ में रेखा गुप्ता के दादा मनीराम और परिवार के लोग रहते थे। पिता जयभगवान बैंक मैनेजर बने तो दिल्ली में ड्यूटी थी। इस कारण वे दिल्ली में परिवार के साथ जा बसे। रेखा गुप्ता से पहले आप के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी हरियाणा से थे और भाजपा की दिग्गज नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं सुषमा स्वराज भी हरियाणा से जुड़ाव था। नंदगढ गांव के बलवान नंबरदार ने बताया कि 50 साल पहले तक रेखा के दादा मनीराम जिंदल, परदादा गंगाराम की गांव में दुकान थी। इसके बाद उन्होंने जुलाना में आ ?त की दुकान की। गांव की जमीन को बेचकर वह जुलाना में रहने लगे थे। जिंदल परिवार के लोगों ने गांव में शिव मंदिर भी बनाया हुआ है। यहां हर वर्ष परिवार के लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। गांव में रेखा के परिवार का बेहद अच्छा व्यवहार रहा। रेखा के पिता जयभगवान 1972-73 में मैनेजर बने तो उनकी ड्यूटी दिल्ली में लग गई थी, इसलिए वे दिल्ली में शिफ्ट हो गए। रेखा गुप्ता का जन्म 19 जुलाई 1974 को हुआ था। छात्र जीवन से ही रेखा राजनीति में सक्रिय हो गई थीं। रेखा के पति मनीष स्पेयर पार्ट का बिजनेस करते हैं। रेखा ने इससे पहले भी दो बार विधानसभा चुनाव लड़ा। पहली बार वे 11 हजार वोटों से हारीं तो पिछली बार आप की वंदना से 4500 वोटों से हार गईं थीं। इस बार वंदना को उन्होंने बड़े वोटों के अंतर से हराकर इतिहास रच दिया। इस बार शालीमार बाग सीट से आप की वंदना को 38605 वोट मिले तो रेखा गुप्ता को 68200 वोट मिले। अरविंद केजरीवाल का जन्म हरियाणा के हिसार में साल 1968 में हुआ था। सामाजिक क्षेत्र में आने से पहले अरविंद ने साल 1991 में आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग की थी। 1992 में अरविंद ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत भारतीय राजस्व सेवा में चुन लिए गए थे। उनकी पहली पोस्टिंग दिल्ली के आयकर आयुक्त कार्यालय में हुई थी। अरविंद केजरीवाल ने साल 2006 में अपनी नौकरी छोड़ दी और अरुणा रॉय समेत अन्य साथियों के साथ मिलकर सूचना अधिकार अधिनियम के लिए अभियान शुरु किया। सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी 1952 को हरियाणा के अंबाला में हुआ था। उन्होंने अंबाला छावनी के

एसडी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री ली। वह भाषण और वाद-विवाद में हमेशा से आगे रहीं। उन्होंने ऐसी कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार भी हासिल किए थे। सुषमा का विवाह 13 जुलाई 1975 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील स्वराज कौशल से हुआ था। सुषमा दिल्ली की दूसरी सबसे कम दिनों की मुख्यमंत्री रहीं। उनका कार्यकाल 52 दिनों का था। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा में पहली पसंद बनकर उभरीं रेखा गुप्ता कौन हैं? वे मूल रूप से कहां की रहने वाली हैं और दिल्ली से उनका नाता कितना पुराना है? इसके अलावा रेखा गुप्ता की पढ़ाई कहां-कहां हुई है और उनका सियासी सफरनामा क्या रहा है? आइये जानते हैं... दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए 11 दिन का समय हो चुका है। इसी के साथ भाजपा ने राजधानी में अपने अगले मुख्यमंत्री चेहरे का एलान कर दिया है। रेखा गुप्ता दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। 20 फरवरी को वे दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ लेंगी। यह 26 साल बाद है, जब दिल्ली में भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। इस बीच राजनीतिक गलियारों में कई नेताओं के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें लगाई गईं। इनमें सबसे बड़ा दावा रेखा गुप्ता के नाम को लेकर ही किया गया।

महाकुंभ पर ममता से लेकर अखिलेश यादव के बयान पर सीएम योगी का करारा जवाब

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 19 फरवरी। विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर विपक्ष के आरोपों पर करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष निरंतर महाकुंभ के आयोजन को लेकर दुष्प्रचार कर रहा है, जबकि यह आयोजन सनातन संस्कृति का गौरव है। सीएम योगी ने विपक्ष के बयानों को सदन में पढ़कर सुनाया और उन्हें कठघरे में खड़ा किया। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार महाकुंभ को ऐतिहासिक बनाने के लिए संकल्पित है। विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए कहा कि यह आयोजन सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का गौरव है और इसे भव्य रूप से मनाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। आइए जानते हैं विधानसभा में सीएम योगी के संबोधन की बड़ी बातें। सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य

समाज को शोभा नहीं देती। उन्होंने समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ये लोग महाकुंभ जैसे आयोजन की भव्यता पर सवाल उठाते हैं और समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले दिन से ही महाकुंभ का विरोध कर रहा है। अगर वे वास्तव में जनता के हितैषी होते तो इस आयोजन पर चर्चा के लिए सदन में उपस्थित रहते, लेकिन उन्होंने सदन को बाधित किया। जैसे ही महाकुंभ शुरू हुआ, इन्होंने अफवाहें फैलाना शुरू कर दीं। सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष के नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महाकुंभ को लेकर कई गलत तथ्य प्रस्तुत किए और इसे धन की बर्बादी तक करार दिया। उन्होंने विपक्ष के नेताओं के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनके संस्कार और मानसिकता को दर्शाता है। सीएम योगी ने कहा कि किसी भी सभ्य समिति के लिए वह भाषा शोभा नहीं देती है। आप लोगों के अपने संस्कार हो सकते हैं, आप लोगों का अपना व्यवहार हो सकता है, लेकिन कोई सभ्य समाज और कोई सभ्य समिति कभी भी उसको मानता नहीं दे सकती है उन्होंने कहा कि महाकुंभ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। सीएम योगी ने कहा कि जैसे ही महाकुंभ का आयोजन शुरू हुआ विपक्ष द्वारा अफवाह और दुष्प्रचार किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महाकुंभ आयोजन के पहले इस बारे में कहना शुरू किया कि इतना पैसा और इतना विस्तार देने की आवश्यकता क्या है।

केंद्र ने बाढ़, भूस्खलन और चक्रवात से प्रभावित पांच राज्यों को दी राहत

नई दिल्ली, 19 फरवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक समिति ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत वर्ष 2024 में बाढ़, भूस्खलन और चक्रवाती तूफानों से प्रभावित पांच राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता राशि मुहैया कराने को मंजूरी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 1554.99 करोड़ रुपये में से आंध्र प्रदेश को 608.08 करोड़ रुपये, नगालैंड को 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा को 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना को 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा को 288.93 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। आज गृह मंत्रालय ने एनडीआर कोष के तहत आंध्र प्रदेश, नगालैंड, ओडिशा, तेलंगाना और त्रिपुरा को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता राशि को मंजूरी दी। सभी राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआर कोष) के तहत पहले ही 18,322.80 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं जिसके बाद पांच राज्यों को यह अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की गई है। यह अतिरिक्त सहायता उन निधियों के अतिरिक्त है जो केंद्र सरकार पहले ही राज्यों को उनके एसडीआर कोष के तहत जारी कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, केंद्र ने एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये, एनडीआरएफ से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा शमन कोष से 14 राज्यों को 2,208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा शमन कोष से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संभाला पदभार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 19 फरवरी। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया। नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। इसलिए भारत का प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए। भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार भारत का चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और हमेशा रहेगा। ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था। ज्ञानेश कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक रहेगा। इसके कुछ दिन बाद ही निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। कानून के मुताबिक, मुख्य

निर्वाचन आयुक्त या निर्वाचन आयुक्त 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं या फिर छह वर्ष के लिए आयोग में रह सकते हैं। ज्ञानेश कुमार 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव और 2026 में केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 15 मार्च, 2024 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। वे 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने कानपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक पूरा करने के बाद आईसीएफएआई में बिजनेस फाइनेंस और अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एचआईआईडी में पर्यावरण अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। उन्होंने केरल सरकार में एर्णाकुलम के सहायक जिलाधिकारी, अडूर के उपजिलाधिकारी, एससी/एसटी के लिए केरल राज्य विकास निगम के प्रबंध निदेशक, कोचीन निगम के नगर आयुक्त के अलावा अन्य पदों पर भी काम किया है। केरल सरकार के सचिव के रूप में ज्ञानेश कुमार ने वित्त संसाधन, फास्ट-ट्रैक परियोजनाओं और लोक निर्माण विभाग जैसे विविध विभागों को संभाला। भारत सरकार में उन्हें रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं अतिरिक्त सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव और सहकारिता मंत्रालय में सचिव के रूप में काम करने का भी अनुभव है।

चुनाव परिणामों के लिए आप जवाबदेह होंगे: मल्लिकार्जुन खरगे

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 फरवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन व चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। दरअसल, खरगे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की एक अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खरगे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहें। यह टिप्पणी दिल्ली चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की

पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे। इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने, बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने और ऐसे लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जो संगठन के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं। खरगे ने संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया और कहा कि कुछ बदलाव पहले ही हो चुके हैं और कुछ और होने वाले हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा, मैं आपसे जवाबदेही की सबसे महत्वपूर्ण बात के बारे में बात करना चाहता हूं। राज्यों में संगठन को नया स्वरूप देने और भविष्य के सभी चुनाव परिणामों के लिए आप सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खरगे ने पार्टी नेताओं से कहा, दिल्ली ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पार्टी नेताओं को अगले पांच वर्षों में जनहित के मुद्दे उठाने चाहिए और संगठन को दिल्ली में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरने का प्रयास करना चाहिए। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का अपमान रोकने में विफल रहे। खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री भारत पर अमेरिकी टैरिफ का विरोध करने में विफल रहे, जो न केवल देश बल्कि सभी भारतीयों का अपमान है।

फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान का सौदा अंतिम चरण में

नई दिल्ली, 19 फरवरी। भारतीय नौसेना फ्रांस के साथ 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान के लिए एक महत्वपूर्ण सौदे पर बात कर रही है। इसका मूल्य करीब 60,000 करोड़ रुपये है। रक्षा सूत्रों के अनुसार यह डील लगभग तय हो गई है। यह सौदा भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की क्षमताओं को भी अपग्रेड करने में मदद करेगा। राफेल-एम जेट को भारतीय नौसेना के विमानों के बेड़े में शामिल किया जाएगा। राफेल-एम जेट को फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी जो भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की तरह अत्याधुनिक तकनीक और क्षमता से लैस होंगे। यह विमान भारतीय नौसेना के लिए एक गेम-चेंजर साबित होंगे, जो समुद्र में संचालन की क्षमता को बढ़ाएंगे। इन जेट का इस्तेमाल विमानवाहक पोत पर भी किया जाएगा, जिससे भारतीय नौसेना की सामरिक ताकत में काफी इजाफा होगा। रक्षा सूत्रों ने बताया कि राफेल मरीन जेट सौदे में भारतीय वायुसेना के बेड़े के कई घटक शामिल हैं, जैसे व्यापक ईंधन रिफिलिंग की क्षमता के अलावा यह हवा में अन्य विमानों को ईंधन भरने में सक्षम बनाएगी। यह सौदा केवल रक्षा क्षेत्र के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय सामरिक ताकत को भी एक नई दिशा देगा।

मोदी की गारंटी पर भारी पड़ा सरकार का बजट: अशोक गहलोत

नरेश मल्होत्रा

जयपुर, 19 फरवरी। राजस्थान सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भारी साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादों को दरकिनार कर दिया है। प्रदेश सरकार का यह बजट प्रधानमंत्री की उन घोषणाओं की पोल खोलता है। गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 18 नवंबर 2023 को वादा किया था कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 12 हजार रुपए वार्षिक मिलेंगे लेकिन इस बजट में भी केवल नौ हजार ही देने की घोषणा की गई है, जो किसानों के साथ किया गया वादाखिलाफी है। इसी तरह प्रधानमंत्री ने चूरू में यह वादा भी किया था कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें हरियाणा के बराबर होंगी लेकिन बजट में इस पर कोई जिक्र नहीं किया गया और आज भी हरियाणा में पेट्रोल राजस्थान से दस रुपए सस्ता मिल रहा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनावी घोषणा पत्र में बाजरे की सरकारी खरीद और गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने की गारंटी दी थी लेकिन बजट में बाजरे की खरीद का कोई जिक्र नहीं किया गया और गेहूं पर केवल 150 रुपए बोनस देने की घोषणा की गई, जो पहले से ही दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजस्थान मिनीमम गारंटी एक्ट के तहत हर साल सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 15त्न वृद्धि का प्रावधान किया गया था। पिछले बजट में यह राशि एक हजार से बढ़ाकर 1,150 रुपए की गई थी। कानून के अनुसार इस साल इसे 1,322 होना चाहिए था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे केवल 1,250 तक बढ़ाया, जो जरूरतमंद लोगों के साथ अन्याय और कानून का उल्लंघन है। गहलोत ने कहा कि पिछले बजट में राज्य सरकार ने एक साल में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन खुद सरकार मान रही है कि सिर्फ 59 हजार नौकरियां ही दी गईं, जिनमें से अधिकांश कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थीं। अब सरकार अगले साल के लिए 1.25 लाख नई नौकरियों की घोषणा कर रही है, जबकि खुद ही 81,000 नियुक्तियों का कैलेंडर जारी कर चुकी है। यह केवल आंकड़ों की बाजीगरी है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री ने बाड़मेर रिफाइनरी में अप्रैल 2025 तक

उत्पादन शुरू होने की बात कही थी, लेकिन अब बजट में इसे अगस्त 2025 कर दिया गया है। इसके अलावा पेट्रो कजोन को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई, जिससे साफ है कि सरकार इस परियोजना को लेकर गंभीर नहीं है। गहलोत ने श्वत्र्ष्टक्क योजना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने श्वत्र्ष्टक्क के बजाय क्क्रष्ट-श्वत्र्ष्टक्क योजना पेश करने का तर्क दिया था कि केंद्र सरकार 90त्न फंडिंग करेगी, जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश को 5-5त्न राशि देनी होगी। लेकिन अब राज्य सरकार ने इसके लिए 9 हजार 500 करोड़ रुपए के बजट की घोषणा की है, जिससे यह स्पष्ट है कि केंद्र ने इस योजना को लेकर कोई बजट नहीं दिया है। गहलोत ने कहा कि पिछले बजट में गिग वर्कर्स के लिए 250 करोड़ के फंड की घोषणा की गई थी, लेकिन वह राशि जारी नहीं हुई। अब इस बार इसे 350 करोड़ कर दिया गया है, लेकिन सरकार को इसे कागजी घोषणा तक सीमित न रखकर अमल में लाना चाहिए। इस बजट में स्ष्ट/स्ञ्ज कोष की राशि बढ़ाकर 1,750 करोड़ कर दी गई है, लेकिन 2024-25 के बजट में घोषित 1,500 करोड़ की राशि भी अब तक जारी नहीं हुई। यह भाजपा सरकार की दलितों और आदिवासियों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का बजट पूरी तरह से मोदी की गारंटी पर भारी पड़ रहा है। भाजपा सरकार चुनावी वादों को पूरा करने में असफल रही है और इस बजट से स्पष्ट होता है कि राजस्थान की जनता को केवल झूठे वादों के सहारे भ्रमित किया जा रहा है।

हर तरह की चीजें चल रही हैं, शीर्ष कोर्ट ने ऑनलाइन सामग्री के नियमन पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 19 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऑनलाइन सामग्री को लेकर कानून में खाली जगह है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यूट्यूब जैसे मंचों पर हर तरह की चीजें चल रही हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की बेंच ने एक यूट्यूबर से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी। इस मामले में केंद्र भी एक पक्ष था। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हर तरह की चीजें चल रही है। ये यूट्यूबर और उनके कार्यक्रम...इसको लेकर कुछ करना होगा और हम करेंगे। हम इसे इस तरह नहीं छोड़ने वाले हैं। हमने (रणवीर अल्लाहबादिया मामले में) नोटिस जारी किया है। हम कुछ करना चाहते हैं। हम इस मुद्दे के महत्व और संवेदनशीलता को नजरअंदाज नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट ने इस मुद्दे पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता से सहायता मांगी और उनसे अगली सुनवाई पर हाजिर होने को कहा। बेंच ने एक अलग मामले में पेश हो रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, हम कुछ करना चाहते हैं। अगर भारत सरकार इसे स्वेच्छा से करेगी, तो हमें बहुत खुशी होगी। वरना, हम इस खाली जगह को नहीं छोड़ेंगे। जस्टिस सूर्यकांत के मुताबिक, इस क्षेत्र में नियमों की कमी दिखाई दे रही है और कथित यूट्यूब चैनल द्वारा इस का गलत इस्तेमाल चिंता का विषय है। बेंच ने इससे पहले दोपहर में रणवीर अल्लाहबादिया को उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में गिरफ्तारी से राहत दी थी। इंडिया गॉट लेटेंट कार्यक्रम में माता-पिता और लिंग पर टिप्पणी करने को लेकर अल्लाहबादिया के खिलाफ विभिन्न जगहों पर प्राथमिकियां दर्ज की गईं थीं। बेंच ने अल्लाहबादिया के कार्यक्रम पर की गई टिप्पणियों को अस्वीकार्य बताते हुए फटकार लगाई और कहा कि उनके दिमाग में कुछ गंदा था, जो उन्होंने यूट्यूब कार्यक्रम में उगल दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि आपके चुने हुए शब्दों से माता-पिता को शर्म आएगी, बेटियां और बहनें शर्म महसूस करेंगी

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार के आरोप में 41 पूर्व पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान कथित दमनकारी कार्रवाइयों में शामिल 41 पूर्व पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। ये अधिकारी उन 1,059 पूर्व पुलिसकर्मियों में शामिल हैं, जिन पर अत्याचारों के आरोप लगे हैं। आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन ने व्यापक जनआक्रोश का रूप लिया था, जिसके परिणामस्वरूप पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की 16 वर्षीय सरकार सत्ता से बाहर हो गई। इस विरोध के चलते शेख हसीना ने 05 अगस्त 2024 को इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गईं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 1,400 लोगों की जान गई, जिसके बाद पीड़ितों और उनके परिवारों ने 1,059 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 41 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कई वरिष्ठ अधिकारी अब भी फरार हैं या देश छोड़कर भाग गए हैं।गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल मामून, एकेएम शाहिद-उल-हक और ढाका व चट्टोग्राम के पूर्व पुलिस आयुक्त शामिल हैं। पूर्व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त हारुन-उर-रशीद के खिलाफ सबसे अधिक 174 मामले दर्ज हैं, जबकि अल मामून पर 159 मामले चल रहे हैं।

अमेरिका ने नेपाल को दिए जा रहे 500 मिलियन डॉलर के एमसीसी परियोजना को बंद करने का दिया निर्देश

काठमांडू। अमेरिकी सरकार ने नेपाल को दिए जा रहे 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन (एम.सी.सी.) के सभी परियोजना को बंद करने का निर्देश जारी किया है। नेपाल से लेकर भारतीय सीमा तक तीन 400 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के लिए अपने 500 मिलियन अनुदान को निलंबित कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल के वित्त मंत्रालय को ईमेल भेज कर इस बात की जानकारी दी है। यह नेपाल के लिए एक बड़ा झटका है। अमेरिका में ट्रंप के सत्तासीन होने के बाद यूएसएआईडी के द्वारा दिए जा रहे सभी अंतरराष्ट्रीय सहायता को रोकने का कार्यकारी आदेश जारी किया था। नेपाल में कम्युनिस्ट दलों के कड़े विरोध के बाद संसद से एमसीसी परियोजना को लागू करने का फैसला किया गया था। पांच वर्षों के प्रयास के बाद यह एमसीसी नेपाल में लागू हो पाया था। इस परियोजना के अंतर्गत तीन नए ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण कार्य गत वर्ष फरवरी से ही शुरू हुआ था। नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने अमेरिका से आए ईमेल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह दुखद है कि अमेरिकी प्रशासन एमसीसी जैसे महत्वपूर्ण परियोजना को बंद करने को कहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका अपने इस निर्णय पर पुनर्विचार करेगा।

आने वाले दिनों में यूक्रेनवासियों के लिए कोई अच्छी ख़बर नहीं:पूर्व विदेश मंत्री

मास्को/कीव। यूक्रेनवासियों को आने वाले दिनों में किसी सकारात्मक खबर की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि देश कठिन दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन के पूर्व विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने मंगलवार को यह बात कही। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा आने वाले दिनों में खबरों में रोशनी की तलाश मत करो लेकिन याद रखो कि अंत में सब कुछ अच्छा होगा, अगर सब कुछ अच्छा नहीं है तो अभी अंत नहीं हुआ है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि मौजूदा परिस्थितियों में यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करना असंभव है, क्योंकि कीव का मानना है कि उसके पास मध्य-गर्मियों तक और यूरोपीय सहायता के अगले बैच तक टिकने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। पिछले सप्ताह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ़ोन पर लगभग डेढ़ घंटे तक बात की। उन्होंने रूसी और अमेरिकी नागरिकों के आदान-प्रदान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, साथ ही यूक्रेन में संघर्ष के समाधान पर भी चर्चा की।

सूडान में आरएसएफ के हमलों में दो सौ से ज़्यादा लोग मारे गए

बुडापेस्ट । सूडान में पिछले तीन दिनों में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमलों में बच्चों और महिलाओं सहित 200 से ज़्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। अल-अरबी अल-जदीद न्यूज़ पोर्टल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया कि व्हाइट नाइल राज्य के दो गांवों पर हमला किया गया। यह क्षेत्र पहले किसी भी सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह मुक्त थे। उल्लेखनीय है कि सूडानी नियमित सेना और विद्रोही आरएसएफ अप्रैल 2023 से देश पर नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति ने कहा कि देश में चले रहे संघर्ष से बीमारी फैल सकती है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का घातक पतन हो सकता है। रूस में सूडान के राजदूत मोहम्मद सिराज ने जनवरी की शुरुआत में एक साक्षात्कार में उम्मीद जताई थी कि सशस्त्र संघर्ष 2025 में समाप्त हो जाएगा।

बस से उतारा और मार दी गोली, पाकिस्तान में सात पंजाबी यात्रियों की हत्या

एजेंसी

क्वेटा (पाकिस्तान) । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने लाहौर जा रही एक बस में सात यात्रियों की हत्या कर दी। हमला बरखान जिले में हुआ। अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगा बलूचिस्तान प्रांत अलगाववादी विद्रोहियों और पाकिस्तान की दशकों पुरानी लड़ाई का युद्धक्षेत्र बना हुआ है। अगलगाववादी अधिक स्वायत्तता और क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों में हिस्सा चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डिप्टी कमिश्नर वकार खुर्शीद आलम ने बताया कि करीब 40 हथियारबंद लोगों के समूह ने कई बसों और वाहनों को रोका, राष्ट्रीय पहचान पत्र की जांच की और फिर सात यात्रियों को बस से उतारकर गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि मारे गए सभी सात लोग

मध्य पंजाब प्रांत के थे। क्षेत्र के सहायक आयुक्त खादिम हुसैन ने कहा कि हत्याएं पंजाब के दक्षिणी शहर डेरा गजा खान को बरखान से जोड़ने वाले राजमार्ग पर हुईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, और हत्याओं के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर है, लेकिन हमलावर भाग निकलने में कामयाब रहे। इससे पहले शुक्रवार को कोयला खनिकों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में कम से कम 11 लोग मारे गए और छह अन्य घायल हो गए।

पिछले अगस्त में अलगाववादी आतंकवादियों ने पाकिस्तान में कई हमले किए, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए। हमलों में पुलिस स्टेशन, बुनियादी ढांचे और नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसमें बलूचिस्तान के हाइवे पर हुआ वह हमला भी शामिल है जिसमें बंदूकधारियों ने कम से कम 23 लोगों को उनके वाहनों से जबरन उतारकर उनकी पहचान की जांच करने के बाद मार डाला।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

नेपाल में ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश, 24 भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में किराए का घर लेकर ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने एक और गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह में शामिल 24 भारतीय युवकों को गिरफ्तार किया गया है। काठमांडू पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार रात को बूढ़ा-नीलकंठ इलाके में ऑनलाइन सट्टेबाजी की गुप्त सूचना मिलने के बाद छापा मारकर 24 युवकों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 21 लैपटॉप, 38 मोबाइल फोन, 50 से अधिक प्रयोग किया हुआ इंडियन कंपनियों का सिमकार्ड, 5 राउटर और हिसाब-किताब रखने के लिए 10 डायरी बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने पत्रकारों को बताया कि पिछले हफ्ते ही एक अन्य भारतीय गिरोह के भंडाफोड़ के बाद जब आगे की जांच शुरू की गई तो इस ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पता चला। इस बार पकड़े गए गिरोह के लोग आज से शुरू हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट में सट्टेबाजी के लिए भारत, पाकिस्तान सहित खाड़ी देश के लोगों से संपर्क की फिराक में थे। सट्टेबाजी के लिए ह्वाट्सऐप और टेलीग्राम ऐप का प्रयोग किया जा रहा था।

युद्ध के लिए ट्रंप ने यूक्रेन को ठहराया दोषी, कहा - आसानी से सुलझ सकता था मामला

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन पर निशाना साधा है। उन्होंने युद्ध शुरू करने के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया और कहा कि कीव पहले 'समझौता कर सकता था।' लगभग तीन वर्ष पहले रूस के पूर्ण पैमाने पर हमले के बाद यूक्रेन में युद्ध छिड़ गया था।

ट्रंप का यह बयान रियाद में युद्ध को समाप्त करने के लिए हुई अमेरिका-रूस वार्ता के बाद आया। हालांकि इसमें कीव को शामिल नहीं किया गया था जिसकी यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने निंदा भी की। उन्होंने कहा कि यह 'हैरानी' की बात है कि उनके देश को रूस के साथ जंग खत्म करने के लिए होने वाली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की की प्रतिक्रिया पर निराशा जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा,÷मैंने सुना है कि वे सीट न मिलने से परेशान हैं, हालांकि उनके पास तीन साल और उससे भी पहले से सीट है। इस मामले को बहुत आसानी से

सुलझाया जा सकता था।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'आपको इसे कभी शुरू नहीं करना चाहिए था। आप एक डील कर सकते थे।' उन्होंने कहा, 'मैं यूक्रेन के लिए ऐसा समझौता कर सकता था। इससे उन्हें लगभग सारी जमीन मिल जाती - और कोई भी व्यक्ति नहीं मारा जाता, कोई भी शहर तबाह नहीं होता। रियाद में बैठक के बाद, ट्रम्प ने कहा, 'रूस कुछ करना चाहता है।

वे बर्बरता को रोकना चाहते हैं। मुझे लगता है कि मेरे पास इस युद्ध को समाप्त करने की शक्ति है।' इससे पहले रियाद में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिकी-रूस वार्ता में शामिल पक्षों ने यूक्रेन में शांति स्थापित करने, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक उच्च स्तरीय टीम बनाने पर सहमति जताई है।

अमेरिका और रूसी प्रतिनिधिमंडल की रियाद में करीब चार घंटे से अधिक समय तक चली। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी इस दौरान मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो ने बताया कि दूतावास में कर्मचारियों की संख्या बहाल करने पर भी सहमति बनी है।

भारतीय मूल के काश पटेल एफबीआई निदेशक बनने के और करीब पहुंचे

एजेंसी

वाशिंगटन । भारतीय मूल के काश पटेल अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई निदेशक बनने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी सीनेट ने उनके नामांकन पर बहस शुरू करने के लिए 48-45 के मतों से मंजूरी दी है।अब 30 घंटे की चर्चा की उलटी गिनती शुरू हो गई है, जिसके बाद गुरुवार को पटेल को अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है। अगर उनका नामांकन मंजूर हो जाता है, तो वे एफबीआई का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय मूल के व्यक्ति बन जाएंगे। 44 वर्षीय पटेल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने मंत्रिमंडल और प्रशासन में नामित किए गए सबसे विवादास्पद लोगों में से एक रहे हैं। वह एक पूर्व पब्लिक डिफेंडर हैं, जिन्होंने वाशिंगटन डीसी की राजनीति में तेजी से अपना प्रभाव बनाया है। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों ने पहले उनके नामांकन पर संदेह जताया था, लेकिन अंत में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले का समर्थन किया। अन्य लोगों - राष्ट्रीय खुफिया निदेशक, स्वास्थ्य सचिव

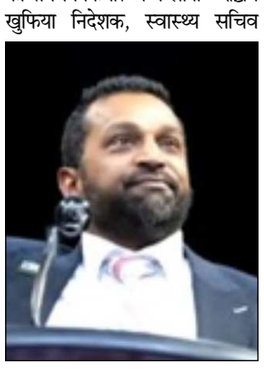

रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के नाम की पुष्टि पार्टी-लाइन वोटिंग में हुई है, जिससे पटेल के भी जीत की उम्मीद है।हालांकि, मैट गेट्ज, जिन्हें अटॉर्नी जनरल के पद के लिए नामित किया गया था, को अपना नाम वापस लेना पड़ा क्योंकि कुछ रिपब्लिकन सीनेटर उनके खिलाफ लगे आरोपों से असहज थे। डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उन्हें कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, जिसमें रक्षा विभाग में चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय खुफिया के उप निदेशक के पद की भूमिका भी शामिल थी। ट्रंप को अब एफबीआई का प्रमुख नोमिनेट किया गया है, एक एजेंसी जिसने 2021 में ट्रंप के खिलाफ वर्गीकृत दस्तावेजों के कथित दुरुपयोग और राष्ट्रपति जो बिडेन से 2020 के चुनाव में हार को पलटने की कोशिश करने के लिए जांच की थी। पटेल की नियुक्ति को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की नजरें गुरुवार को होने वाले अंतिम मतदान पर हैं, जहां उनके एफबीआई निदेशक बनने का फैसला होगा।

मूर्खतापूर्ण योजना : ट्रंप के 'गाजा प्लान' पर खामेनेई ने साधा निशाना

एजेंसी

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि गाजा और फिलिस्तीन के लिए अमेरिका की 'मूर्खतापूर्ण' योजना 'कहीं नहीं पहुंचाएगी।'

खामेनेई ने कहा, 'जिन लोगों ने दावा किया था कि वे थोड़े समय में ही प्रतिरोध को नष्ट कर देंगे, वे अब प्रतिरोध सेनानियों से अपने कैदियों के छोटे-छोटे रूप में ले रहे हैं और बदले में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा कर रहे हैं। ' समाचार एजेंसी ने सर्वोच्च नेता की वेबसाइट पर दिए गए बयान के हवाले से यह जानकारी दी।सर्वोच्च नेता ने तेहरान में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के महासचिव ज़ियाद अल-नखलेह और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। नखलाह ने प्रतिरोध के लिए इस्लामिक गणराज्य के निरंतर

समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

खामेनेई ने कहा कि चूंकि 'वैश्विक जनमत अब फिलिस्तीन के पक्ष में है' इसलिए प्रतिरोध और गाजा के लोगों की सहमति के बिना कोई भी योजना सफल नहीं होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में गाजा की फिलिस्तीनी आबादी को पड़ोसी देशों में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा। इसके मुताबिक जो गाजावासी जाएंगे, उन्हें वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप की योजना की तीखी आलोचना हो रही है लेकिन प्रस्ताव का इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोरदार समर्थन किया। 10 फरवरी को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी पर अमेरिकी राष्ट्रपति के क्रांतिकारी, रचनात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा कर रहा है। नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, वाशिंगटन से इजरायल लौटने के बाद कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप की योजना हमारे लिए कई संभावनाओं के द्वार खोलती है।

ट्रम्प का एक और कड़ा फैसला : बाइडेन युग के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश

एजेंसी

वॉशिंगटन। सत्ता संभालते ही एक के बाद एक सख्त फैसले कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को लेकर एक और बड़ा आदेश जारी किया है। ट्रम्प ने अपने ताजा आदेश में बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश देकर खलबली मचा दी है। ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पिछले चार वर्षों में न्याय विभाग का जितना राजनीतिकरण हुआ है उतना कभी नहीं हुआ। इसलिए सभी बचे हुए 'बाइडेन युग' के अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया है। हमें तुरंत 'सफाई' करनी चाहिए और विश्वास बहाली के लिए काम करना चाहिए। अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी चाहिए- जिसकी शुरुआत आज से हो रही है। ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिकी न्याय विभाग निशाने पर रहा है। कई अटॉर्नी पहले ही पद छोड़ चुके हैं। कई अटॉर्नी ने सोमवार को भी पद छोड़ने का एलान किया। ट्रम्प ने राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान आरोप लगाए थे कि बाइडेन प्रशासन उनके खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाकर काम कर रहा है। बाइडन प्रशासन में ट्रम्प के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए और जिन अटॉर्नी ने ट्रम्प के खिलाफ सुनवाई में हिस्सा लिया और ट्रम्प के खिलाफ जांच की, उन को ट्रम्प पहले ही न्याय विभाग से हटा चुके हैं। अमेरिका के न्याय विभाग में राष्ट्रपति बदलने के बाद अटॉर्नी पद छोड़ने की एक परंपरा है जिसमें सामान्य तौर पर नया प्रशासन अटॉर्नी से इस्तीफा मांगता है, लेकिन इस बार ट्रम्प ने इसे बदलते हुए अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

गाजा युद्ध विराम समझौते के अगले चरण को लागू करने के लिए तैयार : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे और तीसरे चरण को लागू करने की अपनी इच्छा जाहिर की। फिलिस्तीनी गरुप ने गाजा छोड़ने की इजरायली मांग भी नकार दी। हमास के प्रवक्ता हजम कासिम ने एक बयान में कहा कि समूह मध्यस्थ के अनुरोध पर रिहा किए जाने वाले इजरायली बंधकों की संख्या को दोगुना करने पर सहमत है, जो समझौते के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।समाचार एजेंसी के मुताबिक कासिम ने हमास को गाजा छोड़ने की इजरायली मांगों को खारिज करते हुए इसे 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' का हिस्सा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमास इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस मांग को स्वीकार नहीं करेगा कि समूह निरस्त्र हो जाए और उसके नेताओं को गाजा से निकाल दिया जाए। इससे पहले इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक ने

बताया कि नेतन्याहू ने युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू करने का आधिकारिक तौर पर फैसला किया और अपने फैसले के बारे में सुरक्षा कैबिनेट को सूचित किया। इससे पहले शनिवार को हमास और इजरायल ने बंधकों के बदले कैदियों की छठी अदला-बदली पूरी की। इस अदला-बदली में हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया।19 जनवरी से प्रभावी और छह सप्ताह तक चलने वाले संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण के तहत, लगभग 2,000 फिलिस्तीनियों के बदले में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है। अब तक, 19 इजरायली बंधकों के साथ-साथ पांच थाई लोगों को गाजा से रिहा किया जा चुका है, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण की बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजरायल ने अभी तक दूसरे चरण की बातचीत शुरू नहीं की।

पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र : यूएनएससी में भारत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर पाकिस्तान को जमकर लताड़ा और उसे 'आतंकवाद का वैश्विक केंद्र' बताया।भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने यूएन सुरक्षा परिषद में कहा, पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा सूचीबद्ध 20 से अधिक आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद को समर्थन प्रदान करता है। हरीश ने कहा, इसलिए यह एक बड़ी विडंबना है जब पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे होने के लिए खुद की पीठ थपथपाता है। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, भारत, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और हरकत उल मुजाहिदीन (एचयूएम) जैसे आतंकी समूहों के माध्यम से इस देश द्वारा किए गए आतंकी कृत्यों का शिकार रहा है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार द्वारा कश्मीर का मुद्दा

उठाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा, वास्तव में, यह पाकिस्तान ही है जिसने जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है। हरीश ने कहा कि पिछले साल के चुनाव में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के लोगों ने फिर से भारत के प्रति अपनी निष्ठा को स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पिछले साल ही सफल चुनाव में हिस्सा लिया और अपनी सरकार चुनने के लिए बड़ी संख्या में मतदान किया। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, लोगों की पसंद स्पष्ट और मुखर थी। जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र जीवंत और मजबूत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, गलत सूचना, झूठ तथा मिथ्या प्रचार का पाकिस्तानी अभियान जमीनी तथ्यों को नहीं बदलता।

स्पेन की वॉक्स पार्टी ने यूक्रेन में स्पेनिश सैनिकों को भेजने का किया विरोध

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन की चरम-दक्षिणपंथी पार्टी वॉक्स यूक्रेन में शांति रक्षा मिशन में भाग लेने के लिए स्पेनिश सैनिकों को भेजने के विचार का समर्थन नहीं करती है।

पार्टी प्रवक्ता पेपा मिलन ने संवाददाता सम्मलेन में कहा ÷ हम कहीं भी सेना भेजने का समर्थन नहीं करते हैं। हमारा मानना है कि हमारी सेना, राज्य सुरक्षा बल और सेना को सबसे पहले स्पेन की रक्षा करनी चाहिए तथा स्पेनवासियों को उन मुख्य समस्याओं से बचाना चाहिए

भारत के पास है बहुत पैसा,हम क्यों करें 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी सरकार के कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर का फंड रद्द करने के फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समर्थन किया। फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो निवास पर ट्रंप ने कहा कि भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दिए गए, जबकि उसके पास बहुत ज्यादा पैसा है।उन्होंने कहा कि भारत के पास पहले से ही बहुत पैसा है और वह दुनिया के सबसे ज्यादा कर वसूलने वाले देशों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार करने में मुश्किल होती है क्योंकि वहां के टैरिफ बहुत ज्यादा हैं।

उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया लेकिन इस बात पर आश्चर्य जताया कि भारत में मतदान प्रक्रिया के लिए अमेरिका को पैसा देने की जरूरत क्यों महसूस हुई। यह

विवाद तब शुरू हुआ जब एलन मस्क के नेतृत्व में अमेरिकी कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को 21 मिलियन डॉलर की निधि को रोकने की घोषणा की। डीओजीई ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि कई विदेशी सहायता कार्यक्रमों को गैर-जरूरी या अत्यधिक खर्च वाला मानते हुए बंद किया गया है। इस सूची में भारत में मतदाता मतदान प्रोजेक्ट सबसे ऊपर था। इसके अलावा, बांग्लादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए 29 मिलियन डॉलर और नेपाल में राजकोषीय संघवाद व जैव विविधता संरक्षण के लिए 39 मिलियन डॉलर की फंडिंग भी बंद कर दी गई।

भारत में इस फैसले को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस निधि को रोकने के फैसले की आलोचना की और इसे भारत की चुनावी प्रक्रिया में ÷विदेशी हस्तक्षेप÷ करार दिया। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने सवाल किया कि आखिर इस धनराशि से किसे फायदा हुआ, यकीन है सत्तारूढ़ पार्टी को तो इससे कोई लाभ नहीं हुआ होगा!

उन्होंने इसे विदेशी संस्थाओं द्वारा भारतीय संस्थानों में व्यवस्थित घुसपैठ÷ का हिस्सा बताया और कहा कि इससे भारत के लोकतंत्र पर खतरा बढ़ सकता है। मालवीय ने इस फंडिंग पहल के पीछे अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जॉर्ज सोरोस का प्रभाव पहले भी भारत की चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली विदेशी वित्तपोषित पहलों में देखा गया है। उन्होंने 2012 में भारत के चुनाव आयोग और इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के बीच हुए विवादास्पद समझौते का जिक्र किया, जो सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से जुड़ा हुआ था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बारात और मंडप तैयार लेकिन भाजपा का दूल्हा कौन है, ये किसी को पता नहीं : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए बगैर शपथ ग्रहण की चल रही तैयारियों को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने तंज कसते हुए कहा कि मंडप तो तैयार है लेकिन भाजपा का दूल्हा कौन होगा, ये किसी को पता नहीं है। उन्होंने पूछा कि भाजपा मुख्यमंत्री का नाम अभी तक तय नहीं कर पाई है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य है। गोपाल राय ने कहा कि आमतौर पर तो चुनाव में जीत के बाद पार्टी के विधायक दल की बैठक होती है, उसमें उसका नेता चुना जाता है और वह उपराज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करता है।

लेकिन यहां भाजपा सारी तैयारियां पहले ही कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका कोई अता-पता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस देश में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें बनती रही हैं लेकिन यह भारत के इतिहास में पहली बार देखा जा रहा है कि बारात तैयार है, मंडप भी तैयार है, उसका निरीक्षण भी हो रहा है, बस दूल्हा कौन होगा, ये किसी को नहीं पता।

भाजपा नेताओं ने नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले रामलीला मैदान में व्यवस्थाओं का जायजा लिया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं पार्टी नेता तरुण चुघ दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए रामलीला मैदान पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेता तरुण चुघ ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को भरपूर आशीर्वाद दिया है। पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक हर जगह जनता प्रधानमंत्री पर विश्वास करती है। उनके शब्दों और काम पर जनता को भरोसा है। 20 फरवरी को एक ऐतिहासिक कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। दिल्ली का हर व्यक्ति इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ उनकी पूरी कैबिनेट, भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ करीब एक लाख लोग इसमें शामिल होने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली में आठ फरवरी को विधानसभा चुनाव में 70 सीटों में 48 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की। 22 पर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस के हाथ कुछ नहीं लगा।

परिजनों ने पांबदी लगाई तो नाबालिग घर छोड़ कर भाग गया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) टीम ने अपने घर से लापता एक 14 वर्षीय नाबालिग को ढूंढ कर उसके परिजनों से मिलाया है। नाबालिग दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके से बरामद किया गया है। पुलिस टीम ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर नाबालिग को परिजनों को सौंप दिया है। नाबालिग ने बताया कि उसके परिजनों ने उस पर पढ़ाई और अन्य कई चीजों को लेकर पाबंदी लगाई हुई थी। जिससे वह परेशान था। इसलिए उसने घर छोड़ने का फैसला किया। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 12 फरवरी को पालम गांव थाने में एक नाबालिग लड़के के गुमशुदा होने की शिकायत मिली। एएचटीयू टीम में तैनात एएसआई मुकेश और हेडकांस्टेबल संगीता की टीम को जांच सौंपी गई। टीम ने बच्चे के परिवार और दोस्तों से मुलाकात की और उसकी तस्वीर को कई संस्थानों, पुलिस अधिकारियों और ज्ञात व्यक्तियों के साथ साझा किया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और डोर टू डोर अभियान के जरिए नाबालिग को दिलशाद गार्डन इलाके से ढूंढ निकाला।

भाजपा विधायक ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री पर विधानसभा कार्यालय से समान चोरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पटपड़गंज से विधायक रविंद्र सिंह नेगी ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया पर विधानसभा कार्यालय से सरकारी समान के चोरी का आरोप लगाया।रविंद्र सिंह नेगी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट करके कहा कि आम आदमी पार्टी से पटपड़गंज के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया ने चुनाव से पहले ही अपना असली चेहरा दिखा दिया था। विधानसभा कैंप कार्यालय से एसी, टीवी, टेबल, कुर्सी और पंखे जैसे सामान चुरा गए।

कांग्रेस शासित प्रदेश के सरकारी स्कूल में पूर्व सीएम के जन्मदिन का जश्न

हैदराबाद, 19 फरवरी। कांग्रेस शासित प्रदेश तेलंगाना के पूर्व सीएम और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के जन्मदिन का जश्न रंगा रेड्डी जिले के एक सरकारी स्कूल परिसर में मनाया गया। इसकी गाज स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर गिरी है। स्कूल परिसर में जन्मदिन मनाने की अनुमति देने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, स्कूल परिसर में राजनीतिक नारे और इस तरह की अन्य गतिविधियां प्रतिबंधित होती हैं, क्योंकि इससे कक्षाएं बाधित होती हैं। इसलिए प्रधानाध्यापिका के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि प्रधानाध्यापिका (एचएम) को स्कूल परिसर में कार्यक्रम की अनुमति देने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति लेनी चाहिए थी। उन्होंने बताया कि के चंद्रशेखर राव (केसीआर) का सोमवार को 71वां जन्मदिन मनाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की मुलाकात, भारत-यूके संबंधों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इन दिनों भारत दौरे पर हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने भारत-यूके संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। इस मुलाकात पर पीएम मोदी ने कहा कि सुनक भारत के अच्छे मित्र हैं। इस दौरान सुनक का परिवार भी उनके साथ उपस्थित रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनके परिवार से मिलकर खुशी हुई। हमारे बीच कई विषयों पर शानदार और सार्थक चर्चा हुई। पीएम मोदी ने ऋषि सुनक को भारत का सच्चा मित्र बताते हुए द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस मुलाकात के दौरान ऋषि सुनक के साथ उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति, बेटियां कृष्णा व अनुष्का, और उनकी सास एवं राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति भी मौजूद थीं। भारत यात्रा के दौरान सुनक परिवार ने दिल्ली में संसद भवन का भ्रमण किया, जहां लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा, उन्होंने आगरा में ताजमहल, फतेहपुर सीकरी, और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में भी शिरकत की। भारत यात्रा के दौरान ऋषि सुनक ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत और यूके के बीच वित्तीय सहयोग को बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने इस बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए सोशल मीडिया पर साझा किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और ऋषि सुनक के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। ऋषि सुनक ने भारत के प्रति अपने विशेष लगाव को दोहराते हुए कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं, और मैं इन संबंधों को और आगे बढ़ते देखना चाहता हूं।

तेज रफ्तार आडी ने स्कूटी में मारी टक्कर, दो घायल

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिणी जिले के जोरबाग में रात तेज रफ्तार आडी कार सवार छात्रों ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार सवार दोनों आरोपितों को हिरासत में लिया है। दक्षिणी जिले के एडिशनल डीसीपी अचिन गर्ग ने बताया कि लोधी कालोनी थाना पुलिस को सोमवार रात करीब पौने 12 बजे सूचना मिली थी कि जोरबाग पोस्ट आफिस के पास लाल रंग की आडी कार चालक ने स्कूटी सवार युवकों को टक्कर मार दी है। पुलिस मौके तो वहां पर क्षतिग्रस्त कार और स्कूटी मिली। घायलों को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। घायलों की पहचान लोधी कालोनी निवासी नैतिक और तुषार के रूप में हुई। नैतिक की हालत स्थिर है जबकि तुषार की हालत गंभीर है। डीसीपी ने बताया कि कार में दो युवक सवार थे। एक की उम्र 19 और दूसरे की उम्र 20 साल है। दोनों बीबीए के छात्र हैं। वह गोल मार्केट में अपनी

दादी से मिलने के बाद राजेंद्र नगर स्थित अपने घर जा रहे थे। जब वह पोस्ट आफिस के सामने पहुंचे तो सामने चल रही स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। कार सवार ही दोनों घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 281/125(ए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सनातन विरोधी गैंग महाकुम्भ में डुबकी भी लगा रहे, बदनाम भी कर रहे : आचार्य प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। महाकुम्भ को लेकर राजनीति भी उफान मार रही है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए उन्हें सनातन विरोधी गैंग का सदस्य बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये नेता सनातन पर चोट भी करते हैं और फिर उसी महाकुम्भ में आस्था की डुबकी भी लगाते हैं। उन्होंने इसे दोहरा चरित्र और राजनीतिक अवसरवाद करार दिया। जो सनातन को गाली दे, वह अखिलेश का मित्र आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अखिलेश यादव पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि आज कल जो भी सनातन को गाली देता है वह अखिलेश यादव का मित्र बन जाता है। अखिलेश और राहुल का एकमात्र शौक बन चुका है- सुबह उठते ही बिना मुंह धोए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देना। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन को बदनाम करने वाले वही लोग हैं, जो खुद उसमें स्नान करने पहुंच जाते हैं। ये लोग पहले सनातन पर सवाल उठाते हैं, हिन्दू आस्थाओं पर प्रहार करते हैं, लेकिन फिर खुद ही महाकुम्भ में गोता लगाने चले आते हैं और कैमरों के सामने अपने डोले दिखाते हैं। मोदी-योगी सनातन के रक्षक, अखिलेश-राहुल आलोचक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सनातन के ध्वजवाहक हैं। योगी आदित्यनाथ सनातन के उगते हुए सूर्य हैं। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी सिर्फ वही चीजें पसंद करते हैं, जो सनातन संस्कृति के खिलाफ हो। जो भी योगी जी का साथ देगा, अखिलेश यादव उसे गाली देंगे। जो भी मोदी जी का नाम लेगा, उसे बदनाम करेंगे।

लगातार मजबूत होती रहेगी भारत की लोकतांत्रिक विरासतः राजीव कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार आज अपने पद से सेवानिवृत्त हो गए। वे 01 सितंबर 2020 को चुनाव आयुक्त बने थे और 15 मई, 2022 को देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया था। दिल्ली के पटेल चौक स्थित चुनाव आयोग कार्यालय से निकलते समय पत्रकारों से बातचीत में राजीव कुमार ने कहा कि यह इमारत लोकतंत्र के लिए पूजा का स्थान है। इसने पिछले 75 वर्षों में महान प्रयास के साथ एक मजबूत विरासत का निर्माण किया है। उन्हें विश्वास है कि भविष्य में यह विरासत और अधिक स्मृद्ध होगी। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू राजीव कुमार को विदा करने बिल्डिंग के बाहर तक आए। ज्ञानेश कुमार अब अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। उल्लेखनीय है कि राजीव कुमार के कार्यकाल में कई चुनावी सुधार किए गए। इनमें 17 से अधिक आयु के युवाओं के लिए उन्नत आवेदन सुविधा के साथ मतदाता पंजीकरण के लिए चार अर्हता तिथियों को क्रियान्वित करना भी शामिल रहा। मतदाता पंजीकरण के लिए सरलीकृत फॉर्म; असम में परिसीमन के साथ चुनावी सीमाओं को फिर से परिभाषित करना; मतदाता सुविधा केंद्र पर मतदान कर्मियों द्वारा मतदान सुनिश्चित करना ताकि किसी भी तरह की धमकी, देरी और गलत कामों से बचा जा सके। इन पहलों का उद्देश्य चुनाव प्रशासन को आधुनिक बनाते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक को सशक्त बनाना था। कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान 31 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव कराये। इसके साथ ही उन्होंने 2022 के राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति चुनाव, 2024 के लोकसभा चुनाव और राज्यसभा में विभिन्न रिक्तियों को पूरा कराने से जुड़े चुनाव कराए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कतर के अमीर का किया भव्य स्वागत, राष्ट्रपति भवन में रात्रिभोज का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के सम्मान में एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस विशेष रात्रिभोज के दौरान भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और रणनीतिक साझेदारी पर विस्तार से चर्चा हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में भारत और कतर के बीच ऐतिहासिक एवं घनिष्ठ संबंधों को रेखांकित किया और कहा कि कतर भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, और दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, आपकी ये यात्रा हमारे ऐतिहासिक संबंधों और मैत्रीमय में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। दोनों देशों के बीच एक विशेष संबंध रहें जो बेहद घनिष्ठ और जीवंत है। मुझे कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत की दूसरी राजकीय यात्रा पर स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कतर में रहने वाले भारतीय समुदाय ने कतर को अपना दूसरा घर बना लिया है और वे स्थानीय समाज में सरलता से घुलमिल गए हैं। मैं उनकी शानदार देखभाल के लिए आपका और कतर के लोगों की बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भारत और कतर के बीच आज रणनीतिक साझेदारी समझौतों पर हुए हस्ताक्षर इस बात का प्रमाण है कि हम अपने आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी तैयार करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध है। ये हमारे लोग की भावना और प्रयास का भी सम्मान है।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Rajvati W/o Mr. Satyaprakash is the owner of Freehold Residential House No. 138 area measuring 64 Sq. Yards i.e. 53 Sq. Mtr out of Khasra No. 136 situated in the Village Saddiknagar, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 03.01.2024 duly registered as Document No. 112, in Book No. 1, Volume No. 42837, on Pages No. 171-200 SRO-Sadar-IV Ghaziabad., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Ashok Kumar, Now Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by AAVAS FINANCIERS LIMITED Branch- NSP Delhi.. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Vikas Kumar S/o Late Mr. Munni Lal is the owner of Freehold Residential Unit on First Floor, without Roof Rights, (Back Side Portion) and Unit on Second Floor, without Roof Rights, (Back Side Portion), area measuring 55 Sq. Yds., Built on Part of Property Bearing No. RZ-6/5-A, out of Khasra No. 69/12/3, situated in the abadi known as Puran Nagar, Palam Colony, in the area of Village Palam, Delhi. by virtue of Sale Deed Dated 07.02.2023 as Doc. No. 1274, in Book No. 1, Vol. No. 11957, on Pages 80-90, on Dated 07.02.2023, SR- IX, New Delhi. In the chain documents below mentioned document not available i.e. (1) Copy of Death Certificate & SMC of Late Mr. Jagan Nath, & (2) Copy of Death Certificate & SMC of late Mrs. Jograni Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Same property sold too be Mrs. Sapna Kumari which is too be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ashok Kumar S/O Hira Lal R/O C-920, C BLOCK HASTSAL ROAD J.J.COLONY, HASTSAL New Delhi West Delhi Delhi-110059,declare that name of my mother has been wrongly written as kushalya in my 10th class educational document. The actual name of my mother is Kaushalya Devi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SOMYA SUMAN D/o SANJAY KUMAR AGRAWAL C/o RAVI KUMAR residing at 1/1, Rail Enclave, Near CRIS Office, Safdarjung Railway Station, Chanakya Puri, New Delhi, Delhi - 110021 have changed my name and shall hereafter be known as SOMYA MITTAL.

NAME CHANGE

It is for general information that I MOHIT KUMAR S/O PARTAP SINGH R/O C-302, JJ COLONY, WAZIRPUR, ASHOK VIHAR, PO ASHOK VIHAR, DIST NORTH WEST DELHI-110052 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SANCHITA KUMAR in my minor daughter namely SANCHITA aged 8 year in her school record and name of mine has been wrongly written as MOHIT in her Birth Certificate No. MCDOLIR-017-006967746. The actual name of my minor daughter is SANCHITA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MAHD ADEEB S/O MOHD SHAKIR R/O H NO. V-60, GALI NO-27-A,VIJAY PARK, MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ADEEB FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, NASIR KHAN S/o SHAHBAZ KHAN, R/o H.No. 806, GALI SHEESH MAHAL, AZAD MARKET. DELHI-110006 have changed my name from NASIR to NASIR KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, GULSHANAVVAR previously called W/o NASIR KHAN R/o H.No. 806, GALI SHEESH MAHAL, AZAD MARKET DELHI 110006 have changed my name from GULSANAVER to GULSHANAVVAR for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Fida Nongkynrih Chowdhury D/O Abul Harish Chowdhury R/O E-41, Ground floor, Ansari Nagar West, AIIMS Campus, New Delhi 110029 Hereby undertake that I, Fida Nangkyrih Chowdhury want to change my gender as male.
I, Fida Nongkynrih Chowdhury henceforth be known as Fida Nongkynrih Chowdhury S/O Abul Harish Chowdhury
The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and, the department of publication will not be liable for any consequences arising therefrom. It is certified that I have complied with other leg requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Sandeep Kumar, S/o Shri Niwas, Add-143/33, Tek Nagar Shivaji colony kath Mandi Rohtak Haryana-124001, have changed my name to Sandeep for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as DARSHAN KAUR alias PUSHPA KAUR W/o MANGAT SINGH residing at 529 A /2, A-Block, South Ganesh Nagar, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as PUSHPA KAUR.

PUBLIC NOTICE

I, KISHAN KUMAR S/O RAJENDER KUMAR R/O H.No- 25, Aliganj, Near Community centre, Kotla Mubarak Pur, New Delhi-110030, have changed the name of my minor Son HARSH VERMA alias HARSH, aged 8 years and he shall hereafter be known as HARSH VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as AYAN SAIFI S/o SHAMSHAD SAIFI R/o H.No. - 8, ALI PREM GARDEN PASONDA SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201005 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD AYAN SAIFI.

NAME CHANGE

I NAZMA D/O SHARAFAT KHAN R/O 1817 2ND FLOOR SUI WALAN DARYAGANJ DELHI-110002 I HAVE CHANGED MY NAME TO NAZIMA KHAN

NAME CHANGE

I hitherto known as Ram Avadh alias Ram Ayadeh Yadav S/O Ram Bali R/O 24 dayal singh colony. old ishwar nagar, New Delhi, Sriniwaspuri ,South Delhi, Delhi-110065, have changed my name and shall hereafter be known as Ram Avadh.

NAME CHANGE

I, Khushbu Telwani D/O Raj Kumar W/O Shankar Kataria R/O E/103 2nd Floor Near Maa Adhyashakti Mandir, Sec16 Rohini Delhi 110089 have changed my name to Kamna for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as JOYON RAY S/o DEBABRATA RAY R/o House No. 616, Parasvnath Prestige, Sector - 93 A, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh – 201304 have changed my name and shall hereafter be known as ARITRAJEET RAY.

NAME CHANGE

I GULFAM ALI SON OF SH. USMAN ALI R/O D-291, GALI NO.4, NOOR ELAHI GHONDA DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME GULFAM TO GULFAM ALI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I DHARAMBIR SINGH S/O RAJ MAL R/O RZ-F-763/36, Kh No-47/22, Gali No-5, Raj Nagar Part-2, Palam Colony Bagdola, South West Delhi,Delhi-110077, have changed the name of my minor son CH JAY NUNACH aged 9 years and he shall hereafter be known as JAYANT CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I, MAHABALI TRIPATHI Father JC-811964W, Rank-SUB MAJ, Name-AVANISH KUMAR TRIPATHI Residing at JAGAPATTI, RAMESHWAR, HATHI, VARANASI, UTTAR PRADESH-221405 have changed my name from MAHABALI TRIPATHI to MAHABALI TIWARI for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, N SATHYADEVAN NAIR Father of No. 15729047M Rank-L/NK Name-SAROSH S Residing at VILL-THRIKKADAVOOR, PO-PERINAD, DIST-KOLLAM, KERALA-691601, have changed my name from N SATHYADEVAN NAIR to SATHYADEVAN NAIR for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 06/02/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No-16019475F Rank-HAV Name-REKHA RAM Residing at VILL- JAITANIYON KI DHANI, KHARIYA TALA (BHADKHA), PO-BARMER, TEHSIL & DIST-BARMER, RAJASTHAN-344001, have changed my mother's name from CHOONI DEVI to CHUNI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, RUPKALA Mother of No.-3018917H Rank-L/NK Name-ANIL Presently residing at VPO-SHEIKHPURA, TEH-HANSI, DIST-HISAR, HARYANA-125033, have changed my name from RUPKALA to RUPKLA for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-294164W Rank-NB SUB Name-SHIDDAPPA MAGENNI Father of PRATHVI Presently residing at VPO-YADGUD, TEH-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591309, have changed my minor daughter's name from PRATHVI to PRATHVI SHIDDAPPA MAGENNI for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as AKLIMA alias AKILA W/O MOHD AKBAR R/O H. NO-68, S/F BACK SIDE KH. NO-1/138, SHYAM GALI NO-1, MAUJPUR VTC: SEELAMPUR PO: SEELAMPUR DISTRICT NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, have changed my name and shall hereafter be known as AKLIMA.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mohd Farrukh S/o Ashfaq Hussain R/o E-84, Block E, Okhla Vihar, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as Mohd Farukh, Ashfaq Hushain and Anvar Jahan in my 10th, 12th and Graduation Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are Mohd Farrukh, Ashfaq Hussain and Anwar Jahan.

NAME CHANGE

I, No-16019475F Rank-HAV Name-REKHA RAM Residing at VILL- JAITANIYON KI DHANI, KHARIYA TALA (BHADKHA), PO-BARMER, TEHSIL & DIST-BARMER, RAJASTHAN-344001, have changed my father's name from GULLA RAM to GULA RAM for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-294164W Rank-NB SUB Name-SHIDDAPPA MAGENNI Father of PREETAM Presently residing at VPO-YADGUD, TEH-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591309, have changed my minor son's name from PREETAM to PREETAM SHIDDAPPA MAGENNI for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANJNA Wife of JC-294164W Rank-NB SUB Name-SHIDDAPPA MAGENNI Presently residing at VPO-YADGUD, TEH-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591309, have changed my name from ANJNA to ANJANA SHIDDAPPA MAGENNI for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

It is for general information that I, JITENDER KUMAR S/o RAJESH KUMAR, R/o D – 329, Block - D, Kusum Pur Pahari, Kusum Pur, South West Delhi, Delhi-110057, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as JITENDER and SJ RAJESH in my Driving License DL09 20070308968. The actual name of mine and my Father are JITENDER KUMAR and RAJESH KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAJA LEKSHMI Mother of No. 15729047M Rank-L/NK Name-SAROSH S Residing at VILL-THRIKKADAVOOR, PO-PERINAD, DIST-KOLLAM, KERALA-691601, have changed my name from RAJA LEKSHMI to RAJA LEKSHMI R for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 25/02/1967 instead of my correct date of birth as 27/02/1967 vide Affidavit dated 19/02/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

That my clients Joginder Pal Singh, S/o. Late Shri Ram Parkash, R/O House no. 509/5-B, Gali no.5, Bus Depot (Maa Nanadmai Marg), Govindpuri, Kalkaji, South Delhi-110019, informing general public that their joint property that is House no. 509/5-B, Gali no.5, Bus Depot (Maa Nanadmai Marg), Govindpuri, Kalkaji, South Delhi-110019 that my client's bother namely Gulshan Rai and Surender Pal and his wife namely Devender kaur want to sale out the above mentioned joint property, an appeal before Hon'ble Delhi High Court with Rfa no. 23/2016 is pending for trial. That my client is not having any control over the act and conduct of my client's brothers and his wife. That anybody deals with Gulshan Rai, Surender Pal and Devender kaur, will deal by his own risk and cost. My client Joginder Pal Singh is not responsible for the act and conduct of Gulshan Rai, Surender Pal and Devender kaur, in any manner of whatsoever nature.

ASHOK KUMAR SHERAWAT,
(ADVOCATE)
CHAMBER NO. 474,
LAWYERS CHAMBERS BLOCK,
SAKET DISTRICT COURT,
NEW DELHI - 110017.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Karamjeet Kaur w/o Mr. S. Satvinder Singh is the owner of Freehold Residential Entire First Floor without roof rights of Property bearing no.H-14, area measuring 60 sq. yds, out of Khasra no.9/14/2, situated in the area of village Chaukhandi in the abadi of Sant Garh Extn, East Sant Nagar Extn, New Delhi-110018. by virtue of Regd. General Power of Attorney, ATS and WILL Dated 18.06.2008 as docs no.9047, vol no.12185, page no.13-19 dated 18.06.2008 SR- II Janakpuri., Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Mahesh Kumar Maurya which is to be financed by SMFG India Home Finance Company Limited SUBHASH NAGAR, DELHI. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANISH KATARIA S/o M L KATARIA Residing at 344, Deepali Enclave, Pitampura, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110034, declared that the name of my minor Son has been wrongly written as VEDANT in my minor Son namely VEDANT KATARIA aged 12 years in his School Records. The actual name of my minor Son is VEDANT KATARIA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Gajinder Singh s/o Shashipal Singh R/o Garhi (139) Hisar, Haryana-125033 have change my name to Gajender Singh Permanently.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 B.N.S.S देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सतेंद्र साही पुत्रः** दद्दन साही **पताः** मकान नंबर 315, सुंदर पुरी गाजियाबाद रेलवे स्टेशन उ.प्र. के पास, द्वितीय–ग्राम–सिहोज, थाना गगहा, गोरखपुर उ.प्र. ने **FIR No. 132/17 U/s 323/34 IPC थानाः फर्श बाजार, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सतेंद्र साही,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सतेंद्र साही,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 132/17 U/s 323/34 IPC Act थानाः फर्श बाजार, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सतेंद्र साही,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.03.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अखिल मलिक
जेएमएफसी–02, कमरा नंबर 38
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1968/SHD/2025
(Court Matter)

आमजन की जो भी शिकायतें आती हैं उनका समय अवधि में ही समाधान करना सुनिश्चित करें: एडीसी

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में अतिरिक्त उपायुक्त डॉक्टर आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में आज कल 8 शिकायतें आई। इनमें से 7 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की जो भी शिकायतें आती हैं उनका समय अवधि में ही समाधान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह समाधान शिविर आम नागरिकों को अपनी शिकायत व समस्याओं को प्रशासन के सामने रखने का एक अच्छा माध्यम है। इस अवसर नगराधीश मंजीत कुमार डीएसपी हरदीप के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एसडीएम ने किया खनन क्षेत्र का औचक निरीक्षण

नारनौल। हरियाणा खान एवं भू विभाग के महानिदेशक एवं उपायुक्त डा. विवेक भारती के निर्देश अनुसार एसडीएम मनोज कुमार ने आज बायल क्षेत्र में संचालित खनिज खानों का पर्यावरण से संबंधित नियमों की पालना के लिए निरीक्षण किया। इस मौके पर क्षेत्रीय अधिकारी एचएसपीसीबी, खनन अधिकारी एवं सीपीसीबी से आए अधिकारी भी मौजूद थे। एसडीएम मनोज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा। इसके अलावा खनन विभाग के अधिकारियों द्वारा गत दिवस चैकिंग के दौरान गांव मौसमपुर एवं बिहारीपुर की पंचायती एवं निजी जमीन से मिट्टी बजरी का अवैध खनन करवाने वाले जमीन मालिकों एवं वाहन मालिकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को पकड़े गए ट्रक मालिक से लगभग 3.20 लाख रुपए सरकारी खाते में जमा करवाए गए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि विगत 9 फरवरी को गांव सोहला में हुई अवैध खनन की घटना पर कार्रवाई करते हुए वाहन मालिकों से लगभग 1.49 लाख रुपये वसूली के लिए नोटिस दिया गया है। इनके

नूंह के आटा गांव लगे स्वास्थ्य शिविर में 416 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

आस मोहम्मद , देखो एनसीआर

नूंह। इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) सीएसआर पहल के तहत बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान (बीएसजीएसएस) द्वारा नूंह जिले के आटा गांव में एक मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। यह शिविर जिले में एनीमिया के खतरे से निपटने के लिए जारी प्रयासों के तहत आयोजित किया गया था। चूंकि नूंह में एनीमिया खासकर महिलाओं, बच्चों और किशोर लड़कियों में एक प्रमुख मुद्दा है, जिसे ध्यान में रखते हुए आटा गांव में यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। गौरतलब है कि संस्था के स्वास्थकर्मियो द्वारा आटा गांव के लोगो की खून की जांच और अनिमिया से ग्रसित लोगो को संस्था द्वारा उचित सलाह के साथ स्वस्थ्य वर्धित दवाइयां दी जा रही है। इसी क्रम में गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टरों और तकनीशियनों की एक टीम ने 416 लोगों की विभिन्न जाँचें कीं। ग्रामीण समुदाय के बीच एनीमिया की जांच और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ लाभार्थियों के बीच मुफ्त दवाएं, पोषण किट, और प्रतिरक्षा-बूस्टर पैक वितरित किए गए। शिविर में गतिविधियों का समन्वय बीएसजीएसएस द्वारा किया गया। जिसमें डॉ कृपा शंकर गुप्ता, (सलाहकार) जे.एन.राय, (निदेशक परियोजन) ,अनुप कुमार (निदेशक, परिचालन) और स्थानीय जन आरोग्यम टीम के सदस्य शामिल थे।

हरियाणा में मुख्य सचिव बनने के लिए आईएएस की लॉबिंग शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी के भारत का चुनाव आयुक्त नियुक्त होने के बाद प्रदेश में प्रदेश में नया मुख्य सचिव बनने के लिए आईएएस अधिकारियों में लॉबिंग शुरू हो गई है। सचिवालय में दिनभर नए मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर चर्चाओं का दौर जारी रहा। प्रदेश सरकार किसी भी समय इस संबंध में फैसला ले सकती है।

1989 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक जोशी को नवंबर 2024 में पूर्व मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद के सेवानिवृत्त होने के बाद राज्य का मुख्य सचिव लगाया गया था। 1990 बैच के 6 आईएएस अधिकारी राज्य का मुख्य सचिव बनने की दौड़ में हैं। इनमें सबसे सीनियर सुधीर राजपाल और डॉ. सुमिता मिश्रा हैं। इसके अलावा 1990 बैच के ही अनुराग रस्तोगी, आनंद मोहन शरण, राज शेखर कुंडरू और अंकुर गुप्ता का नाम है। अनुराग रस्तोगी 30 जून और आनंद मोहन शरण 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ऐसे में मुख्य सचिव पद के लिए सुधीर राजपाल, डॉ. सुमिता मिश्रा, राजा शेखर कुंडरू या अंकुर गुप्ता में से एक को यह जिम्मेदारी मिल सकती है।

मुख्यमंत्री को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दी डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल व मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के 34वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से अलंकृत किया। साथ ही, विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले और अंतरिक्ष में भारत का गौरव बढ़ाने वाले इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ को भी विश्वविद्यालय की ओर से मानद उपाधि और गोयल पीस प्राइज से सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह में लगभग 2000 विद्यार्थियों को डिग्री, 130 पंजीकृत पीएचडी धारकों को पीएचडी की उपाधि तथा 91 पंजीकृत विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल व मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पीएचडी की उपाधि से विभूषित और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि आपकी मेहनत का सम्मान है। उन्होंने विद्यार्थियों के अभिभावकों व संकाय सदस्यों को भी बधाई दी। उन्होंने इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ को विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि और गोयल पीस प्राइज से सम्मानित करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले तक हरियाणा में बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर-दराज के कॉलेजों में जाना पड़ता था। इस कारण अधिकतर बेटियां शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। उनकी इस पीड़ा को समझते हुए सरकार ने रोडमैप तैयार किया और हर 20 किलोमीटर पर एक कॉलेज स्थापित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट के लिए सरकार ने युवाओं से भी सुझाव मांगे हैं, ताकि एक समावेशी और हर वर्ग के विकास का बजट बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवा स्टार्टअप के माध्यम से आज नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, यह गर्व की बात है। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कालका से विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डॉ. एस. सोमनाथ, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने स्मारिका का विमोचन भी किया।

अथॉरिटी का काम संभालने के बाद दस माह के अंदर उल्लेखनीय व अहम मामलों का निस्तारण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्टेट एनवायरमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी की कमान संभाल रहे (आईएएस) पीके दास ने अपने लगभग दस माह के कार्यकाल के दौरान 214 मामलों का निपटारा कर रिकॉर्ड कायम किया है। इस दौरान ईसी (एनवायरनमेंट क्लीयरेंस) समय से मिल जाने के कारण प्रदेशभर में अहम प्रोजेक्ट लाने वाली कंपनियों की ओर से श्री दास का आभार व्यक्त किया है। इस दौरान दी गई ईसी प्रोजेक्ट्स की लागत 2 लाख 62 हजार 670 करोड़ है। इल दौरान निजी कंपनियों ने 163 करोड़ की राशि सरकारी स्कूलों की हालत में सुधार के लिए देने पर सहमति दी है।अथॉरिटी की बतौर चेयरमैन कमान संभालने वाले पीके दास ने 15 अप्रैल 2024 में कमान संभालने के बाद फरीदाबाद में माता अमृतानंदमयी अस्पताल, रेवाड़ी के एम्स, कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज करनाल, यमुनानगर व सिरसा में सरकारी मेडिकल कॉलेज, हिसार में सिविल एविएशन कलस्टर, खरखौदा में मारुति इंडस्ट्री, उसकी सहयोगी इंडस्ट्री के लिए एचएसवीपी के फरीदाबाद में इंटरनेशनल कन्वेंशनल सेंटर जैसे अहम प्रोजेक्ट्स पर फोकस करते हुए उनको जल्द ही ईसी दिए जाने का कदम स्टडी के बाद लिया गया। दास का कहना है कि प्रदेश में तेज गति से विकास हो इसके लिए हमारी ओर हमेशा ही गंभीर प्रयास किए हैं। अथॉरिटी में पारदर्शी और बेहतर तरीके से काम हो मेरी प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब कल्याण और विकास की दिशा में जो भी कदम उठा रही है, उसमें नौकरशाही को जिम्मेदारी व समयबद्ध तरीके से काम करने का संकल्प लेकर चलना होगा।बरसाती पानी और सीवरेज ट्रीटमेंट के लिए खास फॉर्मूलाअथॉरिटी चेयरमैन पीके दास ने ईसी देने के साथ ही इन सभी अहम प्रोजेक्ट्स के संचालकों को बरसाती पानी का सदुपयोग, करने, सीवरेज का सही ट्रीटमेंट व कचरा प्रबंधन पर केवल कागजी नहीं बल्कि ठोस कदम उठाने के लिए प्रोजेक्ट के अंदर ही इन्हें शामिल किया गया।

हिसार में कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व प्रत्याशी रामनिवास राड़ा समेत कई नेता भाजपा में शामिल

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में आगामी चुनावी गतिविधियों के बीच कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। हिसार विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास राड़ा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। उनके साथ पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रोहित, हिसार लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सनेत समेत एक दर्जन नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।इन सभी नेताओं को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी की पगड़ी पहनाकर विधिवत रूप से भाजपा में शामिल कराया। इस राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा के लिए बड़ी जीत और कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

रामनिवास राड़ा व उनके समर्थकों के भाजपा में शामिल होने के पीछे कई राजनीतिक समीकरण बताए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा ने भी उन्हें पार्टी में शामिल कर हिसार की राजनीति में अपनी स्थिति मजबूत करने के संकेत दिए हैं। इस मौके पर रामनिवास राड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में किए जा रहे विकास कार्य सराहनीय हैं। मैं खुद भी

हरियाणा की जनता की सेवा करना चाहता हूं, इसलिए भाजपा में शामिल हुआ हूं।

कांग्रेस को बड़ा झटका, भाजपा को मजबूती

हिसार में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामनिवास राड़ा कांग्रेस प्रत्याशी थे, ऐसे में उनका भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए संघर्षपूर्ण साबित हो सकता है। वहीं, पूर्व नगर निगम चेयरमैन बिहारीलाल राड़ा और युवा कांग्रेस के कई बड़े चेहरे भी भाजपा में चले गए, जिससे कांग्रेस की जमीनी पकड़ कमजोर हो सकती है। यह घटनाक्रम भाजपा के लिए चुनावी बढ़त साबित हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस के इन नेताओं का हिसार लोकसभा सीट और विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है। हरियाणा में भाजपा लगातार विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने पाले में लाने में लगी हुई है।

अवैध गर्भपात व लिंग जांच में लिप्त डाक्टरों का रद्द होगा पंजीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) सुधीर राजपाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वह इस सप्ताह के भीतर सभी एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ़ प्रेगनेंसी) और अल्ट्रासाउंड केंद्रों की गहन जांच सुनिश्चित करें। विभागीय अधिकारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानदंडों का उल्लंघन करने वाले ऐसे किसी भी केंद्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यदि कोई डॉक्टर इन केंद्रों पर गड़बड़ी में लिप्त पाया जाता है तो स्वास्थ्य विभाग उनके मेडिकल पंजीकरण को तत्काल रद्द करने के लिए हरियाणा मेडिकल काउंसिल को सूचित करे। स्वास्थ्य और महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में सुधीर राजपाल ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों, विशेष रूप से लिंग निर्धारण और लिंग आधारित भेदभाव में शामिल लोगों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में संतुलित लिंगानुपात सुनिश्चित करना हमारी

प्राथमिकता है और हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) कार्यक्रम की सफलता की राह पर निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को, विशेष रूप से लिंग निर्धारण जैसे कुकृत्यों में, बख्शा नहीं जाएगा।

साथ ही एसीएस ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को सभी गर्भपात मामलों पर नजर रखने और उनका विश्लेषण करने तथा किसी भी अनैतिक व्यवहार को रोकने के लिए एमटीपी केंद्रों पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अल्ट्रासाउंड मशीनों में कार्यात्मक ट्रैकर होने चाहिए जो लिंग निर्धारण परीक्षण किए जाने पर स्वास्थ्य अधिकारियों को एसएमएस अलर्ट भेजते हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने गांव बझेड़ा में नवनिर्मित रोजगार प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन

एजेंसी

नूंह। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने जिला नूंह मुख्यालय के करीब स्थित गांव बझेड़ा में नवनिर्मित रोजगार प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने इस केंद्र को इलाके के युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए आह्वान किया कि युवाओं को इसका लाभ उठाना चाहिए। एडीसी ने इस मौके पर युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए गांव में दो वॉलीबाल कोर्ट बनवाने की घोषणा भी की। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला नूंह के युवाओं के लिए यह केंद्र नई रोशनी की तरह साबित होगा। यहां युवाओं को नौकरियों के लिए होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क करवाई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य गांव के युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें सशक्त करना है।

इससे पहले सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी, ए थिंक एंड डू टैंक के सीईओ के यतीश राजावत ने एडीसी व अन्य उपस्थित लोगों को स्वागत करते हुए कहा कि यह केंद्र युवाओं को अग्निवीर, राजस्व और

रेल विभाग की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करेगा और यहां गांव की महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर आजीविका अर्जित करने का अवसर मिलेगा। उनके अनुसार केंद्र में एक अलग सुविधा बनाई जा रही है, जहां ब्यूटीशियन कोर्स सिखाया जाएगा। ये सभी कौशल न केवल रोजगार पाने में सहायक होंगे बल्कि सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे। इस रोजगार प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) की ओर से की गई है। रीड इंडिया की सीईओ गीता मल्होत्रा ने युवाओं में पढ़ने और सीखने की आदत डालने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज में पुस्तकालयों की अहम भूमिका होती है।

उन्होंने कहा यह केंद्र युवाओं में शिक्षा के विस्तार संबंधी नए आयाम स्थापित करेगा। गौरतलब है कि सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) एक थिंक-एंड-डू टैंक है। इसका मिशन सबसे बड़े सार्वजनिक हित के लिए सर्वोत्तम कार्यान्वयन योग्य समाधान तैयार करना है। सीआईपीपी सरकार, नियामकों, सिविल सोसाइटी, व्यवसायों और समाधान निर्माताओं को एक साथ लाकर नागरिक-केंद्रित नीति परिणामों में सुधार करने का प्रयास करता है।

कांग्रेस पार्टी को देश की एकता और अखंडता से कोई सरोकार नहीं: मोहनलाल बडौली

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान को भारत की पहचान, संप्रभुता और कूटनीति को गहरा आघात लगा है: मोहनलाल बडौली

एजेंसी

महेंद्रगढ़। कांग्रेस पार्टी के नेता का बयान साबित कर रहा हैं कि उन्हें देश की एकता और अखंडता से कोई सरोकार नहीं है। उक्त बातें हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने सोमवार देर सांय पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के आवास जयराम सदन में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पर पलटवार करते हुए कहीं। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि चीन भारत का दुश्मन नहीं है। चीन से भारत को खतरे को अक्सर बढ़ा चढ़ाकर पेश किया जाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि पित्रोदा के बयान को भारत की पहचान, संप्रभुता और कूटनीति को गहरा आघात लगा है कांगेस नेता पहले भी देश के खिलाफ विवादित बयान देते रहे है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में हो रहे निकाय चुनावों में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। निकाय चुनांव में नामांकण का काम

पुरा हो चुका है।

नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस का अब तक का सबसे अधिक खराब प्रदर्शन रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदा ही झूठ और फरेब की राजनीति की है। हरियाणा के साथ-साथ देश की जनता कांग्रेस की असलियत को जान चुकी है। उन्होंने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा से मिलने से हमारी बैटरी चार्ज हो जाती है। रामबिलास शर्मा पार्टी के हरियाणा के ऐसे वरिष्ठ नेता है जिनके नेतृत्व में हर कार्यकार्ता ने काम करके बीजेपी को मजबूत करने का कार्य किया है। इस मौके पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में अमेरिका यात्रा बेहद सफल रही अमेरिका ने भी भारत के लोहे को मान लिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बांग्लादेश विवाद में यह कहकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत का एहसास कर दिया है।

निरीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर पुलिस अधीक्षक ने स्टार लगाकर दी बधाई

एजेंसी

नारनौल। जिले में उप निरीक्षक के पद पर तैनात एसआई प्रमोशन के बाद निरीक्षक बन गए। इस पर एसपी पूजा वशिष्ठ ने उनको स्टार लगाया। जिले में अश्वनी कुमार साइबर सेल प्रभारी तैनात हैं, जिनका प्रमोशन हो गया है और निरीक्षक बन गए हैं। जिस पर आज एसपी ने उनकी वर्दी पर स्टार लगाया और प्रमोशन होने पर बधाई दी। साथी पुलिसकर्मियों ने प्रमोशन मिलने पर खुशी जताई है। साथ ही एसपी ने बेहतर सुरक्षा ड्यूटी के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी ऐसी करें, जिससे जनता खुश रहे, भय में न रहे। इस मौके पर एसपी ने पदोन्नत हुए पुलिस कर्मचारी को कहा कि प्रमोशन मिलने के बाद आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। जिसमें कर्तव्यों में भी परिवर्तन आ जाता है, जिम्मेदारी एवं कार्यों में भी वृद्धि होती है। जिसे बखूबी से निभाने के निर्देश दिए गए तथा पदोन्नत कर्मचारी को पदोन्नति की शुभकामनाएं देते हुए मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इसके साथ ही आगे पुलिस विभाग में पदानुसार बेहतर कार्य करने के लिए

बधाई दी।

एसआई के पद से निरीक्षक के पद पर पदोन्नत होने वाले निरीक्षक अश्वनी 2001 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे और 2018 में एसआई बने थे। इस दौरान उन्होंने भिवानी और महेंद्रगढ़ जिले के भिन्न-भिन्न थाना-चौकियों में अपनी सेवाएं दी हैं। इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भिन्न-भिन्न थाना-चौकियों में ड्यूटी करते हुए काफी सराहनीय कार्य किए हैं, थाने-चौकियों में अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य करते हुए जघन्य अपराधों सहित अन्य मामले भी सुलझाए हैं। इन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान काफी सराहनीय कार्य किए, अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को इन्होंने काफी अच्छे से संभाला।

नगर पालिका तावडू चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष करवाना ही है प्रशासन का दायित्व - जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा

ईवीएम की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया का हुआ आज पहला चरण

एजेंसी

तावडू। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने ही प्रशासन का दायित्व और जिम्मेदारी होती है। जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में आज एसडीएम कार्यालय तावडू में सामान्य ऑब्जर्वर व पुलिस ऑब्जर्वर तथा एआरओ एवं एसडीएम संजीव कुमार और राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में नगर पालिका तावडू चुनाव के मद्देनजर ईवीएम की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया का पहला चरण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नगर पालिका तावडू चुनाव के लिए ईवीएम के आवंटन के पहले चरण का रैंडमाइजेशन किया गया है। निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार रैंडमाइजेशन का उद्देश्य बिना किसी हस्तक्षेप के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। क्योंकि इस उद्देश्य के लिए समर्पित सॉफ्टवेयर द्वारा रैंडमाइजेशन किया जा रहा है। रैंडमाइजेशन से पहले सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

नगर पालिका चुनाव के लिए 16 मतदान केंद्र बनाए

उपायुक्त ने कहा कि नगर पालिका तावडू चुनाव के लिए 16 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 16 पोलिंग पार्टियों नियुक्त की जाएगी। इनमें एक पीठासीन अधिकारी, एक वैकल्पिक पीठासीन अधिकारी तथा दो पोलिंग अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधान पद के लिए सभी मतदान केंद्रों पर एक-एक बैलेट यूनिट व एक-एक कंट्रोल यूनिट तथा सदस्य पद के चुनाव के लिए 15 बैलेट यूनिट व 15 कंट्रोल यूनिट लगाई जाएंगी।

पदोन्नत एसोसिएट प्रोफेसर और प्राचार्यों का रिकार्ड न भेजने वाले प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़। उच्चतर शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के राजकीय कालेजों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पदोन्नत एसोसिएट प्रोफेसर और प्राचार्यों का रिकार्ड न भेजने पर उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से आगामी 24 घंटों में रिकार्ड भेजने की सख्त हिदायत दी है। दरअसल, वर्ष 2022 में एसोसिएट प्रोफेसर, प्राचार्य और उप निदेशक पदोन्नत हुए थे और सेवानिवृत्त का वेतन निर्धारण को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से रिकार्ड तलब किया गया था। मगर अभी तक प्राचार्यों द्वारा रिकार्ड नहीं भेजा गया है। प्रदेश भर में 184 राजकीय कालेज हैं, जिसमें से महज छह कालेजों की ओर से रिकार्ड निदेशालय भेजा गया है। इनमें राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा, राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़, राजकीय महाविद्यालय भिवानी, राजकीय महाविद्यालय नांगल चौधरी महेंद्रगढ़, राजकीय महाविद्यालय मोखरा रोहतक, राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-14 करनाल, राजकीय महाविद्यालय बावल रेवाड़ी, राजकीय महाविद्यालय जींद तथा राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना सोनीपत शामिल है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने प्राचार्यों की लापरवाही पर संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए हैं कि प्राध्यापकों से प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किए गए प्राचार्यों जिनमें से ज्यादातर सेवानिवृत हो चुके हैं, उनके वेतन निर्धारण का रिकार्ड नहीं भेजा है। निदेशालय की ओर से बार-बार प्राचार्यों को पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन प्राचार्यों द्वारा रिकार्ड नहीं भेजा जा रहा है। 19 फरवरी तक रिकार्ड न भेजने वाले प्राचार्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने सीबीएसई बोर्ड द्वारा पीएमश्री व मॉडल संस्कृति विद्यालय के छात्रों का मूल्यांकन पर सवाल उठाते हुए शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर सब-डिविजन स्तर पर मूल्यांकन केंद्र बनाने की मांग की है। संघ की ओर से पत्र में मांग की गई है कि पीएमश्री और मॉडल संस्कृति स्कूलों में 10वीं और 12वीं कक्षा का मूल्यांकन जिला स्तर पर किया जा रहा है। शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए 60 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय करना पड़ता है।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

हेक्सावेयर टेक ने 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में की शुरुआत

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनी हेक्सावेयर टेक के शेयर ने आज 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 708 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर कंपनी के शेयर 731 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 745 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 8.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 768.35 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर 8.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 768.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। हेक्सावेयर टेक का 8,750 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.79 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा किसी भी कैटेगरी में इसे पूरा सब्सक्रिप्शन नहीं मिल सका था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.11 गुना और एम्प्लाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.33 गुना सब्सक्राइब हुए थे।

स्टॉक मार्केट में वोलर कार की फीकी शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट लेवल तक पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। मल्टीनेशनल कंपनीज और कॉर्पोरेट क्लायंट्स को एम्प्लाई ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज (ईटीएस) की सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी वोलर कार ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी लिस्टिंग के जरिए अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 90 रुपये के भाव पर ही हुई। मार्केट में एंट्री होने के थोड़ी देर बाद ही ये शेयर उछल कर 92.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता लगा दिया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 5 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वोलर कार का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 13.62 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 13.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

एएससीआई और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग सट्टेबाजी विज्ञापनों के खिलाफ एकजुट

मुंबई। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने अवैध ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए के विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए भारतीय फैंटेसी स्पोर्ट्स महासंघ (एफआईएफएस), अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी, जो संबंधित मंत्रालयों को अवैध विज्ञापनों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग पर केंद्रित होगी। इसके अलावा यह प्रकोष्ठ रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) विज्ञापनों की भी जांच करेगा ताकि वे एएससीआई के दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों की पहचान कर नियामकों तक पहुंचाना और आरएमजी उद्योग के अनुपालन को मजबूत करना है। यह समझौता ज्ञापन 02 जनवरी 2025 से प्रभावी रहेगा। समझौते के लागू होने के बाद से एएससीआई ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय को 413 ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों को रिपोर्ट किया है।

भारत निर्यातकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रहा है : जितिन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने आज यहां कहा कि भारत सरकार भविष्य में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों पर विचार कर रही है और उसके अनुरूप रणनीति तैयार कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे निर्यातकों और विशेषकर भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने देशों की संरक्षणवादी व्यापार नीति से उत्पन्न संभावित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। ईईपीसी इंडिया के 54वें राष्ट्रीय पुरस्कार और चौथे गुणवत्ता पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, भारत आगे बढ़ रहा है। हमारे पास 1.4 बिलियन का बाजार है। हम एफटीए को समान स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे पास न केवल वे संख्याएं हैं, जिनके बारे में लोग बात करते थे बल्कि हमारे पास एक महत्वाकांक्षी खर्च करने वाली आबादी है। हम भारत के हित में और हमारे निर्यातकों के हित में सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करेंगे। हम अब किसी भी दबाव में नहीं झुकेंगे। हम इससे कम पर समझौता नहीं करेंगे। समारोह में आज 33 उत्पाद समूहों के 106 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 4 श्रेणियों में 14 गुणवत्ता पुरस्कार विजेता शामिल हुए। इनमें महारत्न-बीएचईएल, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील, जेएसडब्ल्यू, पोस्को महाराष्ट्र जैसी इस्पात दिग्गज कंपनियां, ईपीसी परियोजना प्रमुख- लार्सन एंड टूब्रो, प्रसिद्ध रक्षा उपकरण निर्माता- बीईएमएल, ऑटोमोबाइल उद्योग के सितारे- इसुजु मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर, एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता- तोशिबा ट्रांसमिशन शामिल हैं। ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने कहा, इस वर्ष हम वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 106 विजेताओं की एक टीम को 106 पुरस्कारों से पुरस्कृत कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा, जिसमें इंजीनियरिंग निर्यात पहली बार 100 बिलियन अमरीकी डॉलर को पार कर गया, जो प्रभावशाली 112 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निर्यातक समुदाय के लचीलेपन, अनुकूलनशीलता और नवाचार को दर्शाती है। भविष्य के मद्देनजर सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में 118 बिलियन अमरीकी डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसका लक्ष्य एक और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन करना है। निर्यातक समुदाय इस अवसर पर आगे बढ़ेगा और इस लक्ष्य को वास्तविकता बनाएगा, जिससे इंजीनियरिंग निर्यात में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। चड्ढा ने निर्यातक समुदाय के सामने आने वाली कुछ चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने एमएसएमई के लिए निर्यात ऋण की लागत को कम करने और उन्हें उच्च स्टील की कीमतों से बचाने के उपायों का आह्वान किया, जो स्टील पर 20-25फीसदी की सीमा में आसन्न सुरक्षा शुल्क के परिणामस्वरूप हो सकता है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने देश के उन्नत बैटरी विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़े कदम के रूप में उन्नत रसायन सेल (एसीसी) को लेकर उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के साथ एक कार्यक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किए। सोमवार को हुआ यह समझौता एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक निविदा प्रक्रिया के बाद रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड को 10 गीगावाट घंटा एसीसी क्षमता प्रदान करता है और इसे भारत की 18,100 करोड़ रुपये की पीएलआई एसीसी योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने योग्य बनाता है।यह समझौता मई 2021 में मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत ÷उन्नत रसायन सेल बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम÷ पर प्रौद्योगिकी पीएलआई योजना के कार्यान्वयन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका कुल परिव्यय 18,100 करोड़ रुपये है, जिसका उद्देश्य 50 गीगावाट घंटा की कुल विनिर्माण क्षमता हासिल करना है। इस हस्ताक्षर के साथ, 50 गीगावाट घंटा क्षमता में से चार चयनित लाभार्थी फर्मों को 40 गीगावाट घंटा की संचयी क्षमता प्रदान की गई है। मार्च 2022 में आयोजित निविदा के पहले दौर में, तीन लाभार्थी फर्मों को कुल 30 गीगावाट घंटा क्षमता आवंटित की गई थी, और उस दौर के लिए कार्यक्रम समझौतों पर जुलाई 2022 में हस्ताक्षर किए गए थे। भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समारोह के दौरान इस बात पर जोर दिया कि पीएलआई एसीसी योजना स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है।

एक्शन में सेबी, 19 एफवीसीआई का रजिस्ट्रेशन रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट कंट्रोलर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 19 फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स (एफवीसीआई) के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। आरोप है कि ये फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स अपने रजिस्टर्ड एड्रेस से कारोबार नहीं कर रहे थे। इसके साथ ही इन पर नियमित तौर पर तिमाही रिपोर्ट फाइल नहीं करने का भी आरोप है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, सेबी की जांच में इस बात का पता चला कि सभी 19 आरोपी फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स ने 2013 से लेकर 2023 के बीच अपने रजिस्टर्ड ऐड्रेस से काम करना बंद कर दिया था। इन कंपनियों का रजिस्टर्ड ऐड्रेस सिंगापुर, मॉरीशस और साइप्रस में है। आरोप है कि इन 19 एफवीसीआई में से 6 ने कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। इसी तरह चार ने 2012-13 के बाद से कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। सेबी ने जिन एफवीसीआई पर कार्रवाई की

है, उनमें एक्सिस इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर होल्डिंग्स, एक्सिस कैपिटल मॉरिशस, ब्लैकस्टोन कैपिटल पार्टनर्स और ब्लैकस्टोन फैमिली इंवेस्टमेंट पार्टनरशिप जैसे बड़े वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स के नाम भी शामिल हैं। सेबी की ओर से आज जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि जांच में ये तथ्य सामने आया है कि जिन एफवीसीआई को नोटिस भेजा गया था, उनमें से कोई भी वेंचर कैपिटल इन्वेस्टिंग से जुड़ी एक्टिविटी नहीं कर रहा था। इससे इस बात का संकेत मिलता है कि रजिस्टर्ड फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर के तौर पर आगे काम करने में इनकी दिलचस्पी नहीं बची है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि जब इन एफवीसीआई ने रजिस्टर्ड एड्रेस पर काम बंद किया तो उन्होंने इसकी जानकारी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया को भी नहीं दी, जबकि नियमानुसार ऐसा करना आवश्यक था।

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान भारतीय उद्योग परिसंघ ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ साझेदारी में आज यहां भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन किया। संयुक्त व्यापार मंच में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने मुख्य भाषण किया। संयुक्त बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विकसित भारत विजन के अनुरूप 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर सफल ऊर्जा व्यापार का एक लंबा इतिहास साझा करते हैं लेकिन इस साझेदारी का भविष्य हाइड्रोकार्बन से आगे बढ़कर एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, आईओटी और सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे भू-राजनीतिक गतिशीलता बदलती है और साइबर सुरक्षा के खतरे बढ़ते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एक प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। प्रत्येक देश के पास अलग-अलग प्रतिस्पर्धी लाभ होने के कारण उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर एक-दूसरे की ताकत को पूरक बनाने की स्थिति में हैं और नवाचार को आगे बढ़ाने और कल के उद्योगों को आकार देने में भागीदार हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश परिवर्तनकारी बदलाव की ओर अग्रसर हैं, इसलिए यह साझेदारी उद्यमशीलता, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के स्तंभों पर टिकी होगी। उन्होंने व्यापार करने की लागत को कम करने और व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ाने में भारत के प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डालते हुए इसे वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीयता और स्थिरता के नखलिस्तान के रूप में स्थापित किया। कतर को भारत की गतिशील और लचीली अर्थव्यवस्था में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विजन 2047 और कतर का राष्ट्रीय विजन 2030 रणनीतिक आर्थिक सहयोग के एक नए युग को आकार देगा। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रों पर एक संयुक्त कार्य समूह बनाने का भी सुझाव दिया और कतरी व्यवसायों को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (जीआईएफटी सिटी) में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कतर और भारत के बीच संबंध केवल एक लेन-देन नहीं है, यह आपसी सम्मान, साझा हितों और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर आधारित एक परंपरा है। भारत-कतर व्यापार साझेदारी भारत के कतर का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनने के साथ ही फली-फूली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कतर एक विविधतापूर्ण, गतिशील और निवेशक-अनुकूल गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने भारतीय निवेशकों को कतर की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के भीतर विशाल अवसरों का पता लगाने के लिए गर्मजोशी से आमंत्रित किया।

पीएस राज स्टील्स की शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील पाइप और ट्यूब बनाने वाली कंपनी पीएस राज स्टील्स ने बुधवार को 3.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर उनकी एंट्री 145 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में तेजी आ गई। दोपहर 1 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 151 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 7.86 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

पीएस राज स्टील्स का 28.28 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.82 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 139.11 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 45.20 करोड़ रुपये के 24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 10.80 करोड़ रुपये के 6 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज का भुगतान करने, प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ट्राइफेड और टी ट्रंक ने जनजातीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली।आदिवासी उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) ने बेहतरीन भारतीय चाय की पत्तियों और अद्वितीय मिश्रणों के घर टी ट्रंक के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस बारे में सोमवार को यहां एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो मुख्यधारा के खुदरा बाजार में आदिवासी उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बहुत बड़े ग्राहक आधार को पूरा करता है। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 16 से 24 फरवरी

2025 तक चल रहे प्रमुख कार्यक्रम 'आदि महोत्सव' के दौरान केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और ट्राइफेड के प्रबंध निदेशक आशीष चटर्जी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान ट्राइफेड के महाप्रबंधक संदीप पहलवान और टी ट्रंक की संस्थापक और सीईओ सुश्री स्निग्धा मनचंदा के बीच हुआ। इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य टी ट्रंक की बाजार उपस्थिति का लाभ उठाकर और अपने मौजूदा ग्राहक आधार को उत्पादों की व्यापक पसंद प्रदान करके आदिवासी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह सहयोग आदिवासी उत्पादकों के लिए सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करेगा और उन्हें कौशल विकास और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करेगा। ट्राइफेड बड़े महानगरों और राज्य की राजधानियों में आदिवासी मास्टर-शिल्पकारों और महिलाओं को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने के लिए ÷आदि महोत्सव ङ्क राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव÷ का आयोजन कर रहा है। इस महोत्सव का विषय है उद्यमिता, आदिवासी शिल्प, संस्कृति, भोजन और वाणिज्य की भावना का उत्सव, जो आदिवासी जीवन के मूल लोकाचार का प्रतिनिधित्व करता है।

एपीडा ने बायोफैच 2025 में भारत की जैविक विरासत को किया प्रदर्शित

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर हुए थे। इसका उद्देश्य भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाने का है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारत की समृद्ध कृषि विरासत और टिकाऊ खेती की बढ़ती मांग के उपलक्ष्य में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में भारत मंडप के तहत भारतीय निर्यातकों की भागीदारी का आयोजन किया गया था। बायोफैच 2025 में एपीडा इंडिया मंडप का उद्घाटन म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने किया था। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में 11 फरवरी 2025 को एपीडा और नूर्नबर्ग मेसे के बीच एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर भी हुए, जिससे भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाया जा सके। इस आशय पत्र पर नूर्नबर्ग मेसे के प्रबंधन बोर्ड की उपाध्यक्ष और सदस्य विक्टोरिया वेहसे और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने म्यूनिख में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा की उपस्थिति में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर भारत और बायोफैच के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी में एक निर्णायक था, जिसमें भारत ने पहले 2012 में प्रतिष्ठित भागीदार देश का खिताब अपने नाम किया था। यह भारत के लिए अगले साल इस वैश्विक कार्यक्रम में सुर्खियों में आने और बायोफैच 2026 में दुनिया के लिए जैविक खाद्य टोकरी के रूप में भारत की ताकत पेश करने का मंच भी तैयार करता है। उन्होंने बताया कि भारत के जैविक खाद्य उत्पादों और पेशकशों की विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एपीडा ने निर्यातकों, एफपीओ और राज्य सरकार के संगठनों सहित 20 से अधिक सह-प्रदर्शकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की, जिन्होंने चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, दालचीनी, आम प्यूरी, आवश्यक तेलों जैसे उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में न केवल भारत की कृषि क्षमता को दर्शाया गया।

सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में लगातार चौथे वर्ष बादशाहत बरकरार रखी है। एक्सिस बैंक के प्राइवेट बैंकिंग बिजनेस बरगंडी प्राइवेट और हुरुन इंडिया की जारी भारत की 500 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के चौथे संस्करण '2024 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500' रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉप तीन सबसे मूल्यवान कंपनियों में 12 प्रतिशत की वृद्धि से 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसके बाद 30 प्रतिशत की वृद्धि से 16.1 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और 26 प्रतिशत की वृद्धि से 14.2 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ एचडीएफसी बैंक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार चौथे साल बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 में शीर्ष स्थान पर अपनी बादशाहत जारी रखे हुए है। 17.5 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य टीसीएस से कम से कम 1.9 लाख करोड़ रुपए अधिक है।

बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि आज के कारोबार के दौरान एक बार फिर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के बावजूद निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.71 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढ़ाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 397.81 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 400.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,037 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,914 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,607 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 601 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,006 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 76.85 अंक की मजबूती के साथ 76,073.71 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 560.68 अंक टूट कर 465.85 अंक की कमजोरी के साथ 75,531.01 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 436.38 अंक की रिकवरी करके 29.47 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 75,967.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 4.15 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 22,963.65 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 158 अंक टूट कर 22,801.50 अंक तक गिर गया।

क्या है DRDO की हर्डल टेक्नोलॉजी जो डिब्बाबंद और डिहाइड्रेटेड फलों के लिए है बेस्ट

हर्डल टेक्नोलॉजी फूड आइटम्स को सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जोकि फूड आइटम्स में मौजूद माइक्रोऑर्गेनिज्म को इनएक्टिव करने में मदद करती है. हर्डल टेक्नोलॉजी की मदद से फूड आइटम्स की शेल्फ लाइफ को बढ़ाया जा सकता है.

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने हर्डल टेक्नोलॉजी विकसित की है, जो कि फूड आइटम्स को प्रिजर्व करने का एक मॉडर्न और इफेक्टिव तरीका है. यह तकनीक फलों और दूसरे फूड आइटम्स को ज्यादा समय तक ताजा बनाए रखने के लिए इस्तेमाल की जाती है. हर्डल टेक्नोलॉजी में तरह-तरह के कारकों का यूज करके फलों के खराब होने की प्रक्रिया को धीमा किया जाता है, जिससे उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है और वो ज्यादा समय तक सुरक्षित रहते हैं.

हर्डल टेक्नोलॉजी फूड प्रिजर्वेशन की एक मल्टीडाइमेंशनल प्रक्रिया है जिसमें कई कारकों का कॉम्बिनेशन करके माइक्रो ऑर्गेनिज्म की वृद्धि को रोका जाता है. इसमें तापमान, मॉइस्चर, पीएच (श्चा), प्रिजर्वेटिव्स और पैकेजिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है. यह तकनीक केवल सिंगल प्रक्रिया पर निर्भर नहीं करती, बल्कि कई बैरियर्स का कॉम्बिनेशन करके फूड आइटम्स की गुणवत्ता बनाए रखती है. इसका मुख्य उद्देश्य यह देखना है कि खाना अधिक समय तक सुरक्षित, पोषक और ताजा बना रहे.

हर्डल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कैसे किया जाता है?

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित हर्डल टेक्नोलॉजी का उपयोग कई स्टेप्स में किया जाता है, जिसमें नीचे दी गई प्रमुख तकनीकों को शामिल किया जाता है-

तापमान नियंत्रण- फलों को सही तापमान पर रखा जाता है, जिससे उनकी नमी संतुलित रहती है और खराब होने की गति धीमी हो जाती है. ठंडे वातावरण में स्टोरेज से माइक्रो ऑर्गेनिज्म की वृद्धि रोकी जाती है.

पीएच स्तर का संतुलन- एसिडिटी को नियंत्रित करके बैक्टीरिया और फफूंद की वृद्धि को रोका जाता है. नेचुरल प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल करके फलों की ताजगी बनाए रखी जाती है.

वॉटर एक्टिविटी का नियंत्रण- माइक्रोऑर्गेनिज्म की वृद्धि को रोकने के लिए फलों की सतह पर पानी की मात्रा को कम किया जाता है. इस प्रक्रिया से फलों की बनावट और स्वाद लंबे समय तक बना रहता है.

प्रिजर्वेटिव्स का उपयोग- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन नेचुरल प्रिजर्वेटिव्स जैसे कि बायो-केमिकल कंपाउंड्स का इस्तेमाल करता है, जो फलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं. सिंथेटिक केमिकल्स के बजाय नेचुरल तरीकों को तवज्जो दी जाती है.

मॉडिफाइड एटमॉस्फियर पैकेजिंग- फलों को एक नियंत्रित वातावरण में पैक किया जाता है, जिससे ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा संतुलित बनी रहती है. यह तकनीक फलों की ऑक्सीडेशन प्रक्रिया को धीमा कर देती है, जिससे वो जल्दी खराब नहीं होते.

ये तकनीक आम लोगों के लिए कैसे उपयोगी है?

छ्रक्षह की हर्डल टेक्नोलॉजी केवल लैब्स तक सीमित नहीं है, बल्कि ये आम जनता के लिए भी बहुत फायदेमंद है. इसका लाभ देशभर में किसानों, ट्रेडर्स और कंज्यूमर्स को मिलता है.

झूठ के कुंभ में अनास्था की डुबकी

दुर्घटनाओं समेत अप्रिय घटनाओं की सच्चाइयों के सत्ताधारियों द्वारा एक हद तक छुपाए जाने में कुछ भी असामान्य नहीं है। आखिरकार, ऐसी घटनाओं से शासन तथा सत्ताधारियों की कुशलता पर सवाल उठते हैं और इन सवालों को दबाने की कोशिश में, सच्चाइयों को छुपाने की कोशिश भी की जाती है।

हैरानी की बात यह नहीं है कि शासन और रेलवे प्रशासन को आखिरकार, शनिवार 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में, अठारह मौतों और कई लोगों के घायल होने की बात स्वीकार करनी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि शासन और रेलवे प्रशासन ने भगदड़ और उसमें मौतों के तथ्य को ही नकारने की तमाम कोशिशें की थीं। लेकिन, शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं, वही सब इससे पहले प्रयागराज में कुंभ स्नान भगदड़ के मामले में किया चुका था। सच तो यह है कि प्रयागराज भगदड़ मामले को छुपाने की कोशिशें और भी दूर तक जारी रही थीं बल्कि जानकारों के अनुसार तो अभी तक यह सिलसिला किसी न किसी रूप में जारी ही है।प्रयागराज मामले में भी, पहले कई घंटे तक तो अफवाह करार देकर, भगदड़ की किसी भी घटना को नकारने की ही कोशिश की गयी थी। फिर कुछ और घंटे बाद, भगदड़ जैसी%% होने और उसमें कुछ लोगों के चोटिल होने की बात मानी गयी। और घटना के पूरे उन्नीस घंटे बाद ही भगदड़ में तीस मौतों और करीब दर्जन भर लोगों के घायल होने की बात मानी गयी। यह दूसरी बात है कि तब तक यूट्यूबरों तथा मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से द्वारा दी जा चुकी खबरों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में उस दिन एक नहीं तीन स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं हुई थीं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या, सरकार द्वारा दिए गए तीस के आंकड़े से तीन गुनी नहीं तो, दोगुनी से ज्यादा जरूर थी। पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग-अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह-तरह के हथकंडों का सहारा लिया था।बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख-कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी। इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप-राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया। उप-राष्ट्रपति ने तो भगदड़ में तीस मौतों की बात तब तक स्वीकार कर लिए जाने के बावजूद, कुंभ की व्यवस्थाओं को न भूतो न भविष्यति का बाकायदा सर्टिफिकेट ही दे दिया था। जाहिर है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे या उनसे जुड़े लोगों के वीवीआईपी दर्जे पर, खूनी भगदड़ के बाद जारी इस सरकारी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला था कि सारे वीआईपी पास निरस्त किए जाते हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों में प्रयागराज में हुई भगदड़ के मुख्य कारणों में कुंभ की वीआईपी संचालित व्यवस्था को सबसे प्रमुख माना गया था, जिसमें मेला क्षेत्र और रास्तों के बड़े हिस्से को, वीआईपी गण के लिए सुरक्षित करने के जरिए, आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध जगह और रास्तों को, उनकी भारी भीड़ को देखते हुए, और भी छोटा कर दिया गया था।इसी तरह,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ और मौतों की पर्दापोशी की कोशिशों में शीर्ष पर दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर से लेकर रेल मंत्री तक शामिल थे। हद तो यह थी कि हादसे की जानकारी मिलने पर लेफ्टीनेंट गवर्नर ने भगदड़ और उसमें हुई मौतों पर खेद जताते हुए जो ट्वीट किया था, उसे तब वापस ले लिया गया, जब लेफ्टीनेंट गवर्नर को इसका एहसास हुआ या यह याद दिलाया गया कि संभवत- सरकार पूरी घटना पर ही पर्दा डालना चाहती है। लेफ्टीनेंट गवर्नर ने अब संशोधन कर के नया ट्वीट जारी किया, जिसमें भगदड़ और मौतों, दोनों का जिक्र गायब किया हो चुका था। जाहिर है कि अंत में एक बार फिर जगहंसाई कराते हुए, लेफ्टीनेंट गवर्नर को घटना में मौतों पर शोक जताना ही पड़ा। कुछ ऐसी ही जगहंसाई रेल मंत्री के भी हिस्से में आयी।बहरहाल, सत्ता में बैठे लोगों के जगहंसाई की परवाह न करते हुए, सत्ता के झूठे आख्यान बल्कि झूठे प्रचार तथा दावों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर होने में तो अब शायद ही कोई हैरानी की बात रह गयी है। लेकिन दुर्भाग्य से अब हैरानी की बात मुख्य धारा के मीडिया के बड़े हिस्से के तत्परता से इस खेल में हिस्सेदार बन जाने में भी नहीं रह गयी है। लेफ्टीनेंट गवर्नर से भी ज्यादा हंसी का पात्र बनते हुए, समाचार एजेंसी एएनआई ने पहले पूरी वफादारी से लेफ्टीनेंट गवर्नर का हादसे पर दुःख जताने वाला ट्वीट प्रकाशित किया। उसके बाद उसी एजेंसी ने बिना किसी टीका-टिप्पणी के लेफ्टीनेंट गवर्नर का ना कोई भगदड़, ना कोई मौत वाला संशोधित ट्वीट प्रकाशित किया। और अंतत- उतनी ही वफादारी से मौतों पर खेद जताने वाला ट्वीट जारी किया।सभी जानते हैं कि मुख्यधारा के मीडिया के अधिकांश हिस्से और सोशल मीडिया के भी बड़े हिस्से के गोदीकरण के बल पर ही, भगदड़ में बड़ी संख्या में मौतों जैसी आसानी से न छिपाई जा सकने वाली सच्चाइयों पर भी, मौजूदा निजाम न सिर्फ पर्दा डालने की जुर्रत कर पाता है बल्कि उन पर पर्दा डालने की कोशिशों में काफी हद तक कामयाब भी हो जाता है। मौजूदा निजाम की इस कामयाबी का एक प्रमुख रूप यह भी है कि जिन सच्चाइयों को पूरी तरह से दबाना ही संभव न हो उन्हें भी, उजागर हो जाने के बाद भी, मीडिया पर इसी नियंत्रण के सहारे जल्द से जल्द चर्चा से बाहर करने के जरिए, दफ्न कर दिया जाता है। प्रयागराज भगदड़ की मौतों के मामले में ठीक यही हुआ है। और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के मामले में भी ठीक यही करने की कोशिशें की जा रही हैं।इसी के हिस्से के तौर पर नई दिल्ली स्टेशन भगदड़ के मामले मृतकों के परिवारजनों को, रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद न सिर्फ शव सौंप दिए गए बल्कि सरकार के अपने तमाम नियम-कायदों को ताक पर रखकर, परिजनों को दस-दस लाख रुपए की नकद सहायता राशि भी मुंह अंधेरे ही पकड़ा दी गयी। मकसद यही था कि परिवारजन जल्द से जल्द लाश लेकर, मीडिया और खबरों से दूर, अपने गांवों के लिए निकल जाएं। खबरों के अनुसार, पुलिस के सिपाहियों के साथ वाहनों से लाशों को जल्द से जल्द रवाना करने पर ही सारा जोर था। ऐसा लगता है कि प्रयागराज की घटना से पर्दापोशी का यही सबक दिल्ली प्रकरण को संभालने वालों ने लिया था।प्रयागराज प्रकरण के विपरीत, उन्होंने लाशों को जल्द से जल्द, घटनास्थल से दूर से दूर भिजवाने का, पूरा इंतजाम किया था। हैरानी की बात नहीं है कि भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख, अमित मालवीय ने रविवार को ही इसकी तस्वीरें ट्विटर पर भी डालनी शुरू कर दी थीं कि कैसे नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सब कुछ सामान्य था! आशय यह कि इसके बाद, भगदड़ और मौतों की चर्चा पर पटाक्षेप हो जाना चाहिए।बेशक, दुर्घटनाओं समेत अप्रिय घटनाओं की सच्चाइयों के सत्ताधारियों द्वारा एक हद तक छुपाए जाने में कुछ भी असामान्य नहीं है। आखिरकार, ऐसी घटनाओं से शासन तथा सत्ताधारियों की कुशलता पर सवाल उठते हैं और इन सवालों को दबाने की कोशिश में, सच्चाइयों को छुपाने की कोशिश भी की जाती है। ऐसा करने से अपवाद स्वरूप, केरल की कम्युनिस्ट सरकार जैसी कोई ऐसी सरकार ही बची रह सकती है, जो ऐसी किसी भी मुश्किल के समय में अपनी समुचित सक्रियता और जन-भागीदारी सुनिश्चित करने की तत्परता से, लोगों का भरोसा जीत सकने का विश्वास रखती हो।

संपादकीय

बिहार विधानसभा चुनाव : कांग्रेस पर नज़रें

वैसे तो बिहार विधानसभा के चुनाव होने में अभी कुछ महीनों का वक्त है, पर अचानक कांग्रेस की सक्रियता ने लोगों का ध्यान इसकी ओर खींच लिया है। प्रतिपक्षी गठबन्धन %इंडिया% के गठन के समय से ही राहुल गांधी इस राज्य में कई बार आ चुके हैं तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं- लालूप्रसाद यादव व उनके बेटे तेजस्वी यादव (पूर्व उप मुख्यमंत्री) के साथ उनके बढ़िया तालमेल के चलते यह तो माना ही जा रहा है कि कांग्रेस-आरजेडी मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड के भी मिलकर लड़ने की सम्भावना अब तक तो बनी हुई है, लेकिन देखना यह भी होगा कि दोनों दलों के द्वारा वाकई कितने संगठित तरीके से इंडिया का मुकाबला किया जायेगा क्योंकि एक तरफ़ तो भाजपा के बीच यह भावना उभर आई है कि (बकौल विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री व भाजपा नेता) %पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को तभी सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी जब बिहार में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है। दूसरी ओर, साथ मिलकर राज्य की सरकार चलाते हुए भी नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के नाम से राज्यव्यापी दौरा कर रहे हैं जिसमें भाजपा शामिल नहीं है।कुछ पिछले और कुछ भावी सियासी घटनाक्रमों के बीच बनने वाले किन सम्भावित समीकरणों के तहत चुनाव लड़ा जायेगा, यह देखना दिलचस्प होगा क्योंकि कांग्रेस यह चुनाव पूरे दमखम से लड़ने की तैयारियों में अभी से जुट गयी है। इस चुनाव की पृष्ठभूमि को समझने के लिये पहले की कतिपय परिघटनाओं को याद कर लेना उपयोगी होगा ताकि इस बात का अंदाजा लगाया जा सके कि आगामी चुनावी अखाड़ा किस तरह का तैयार हो रहा है। याद हो कि भाजपा और जेडीयू का लम्बा साथ तो रहा है परन्तु इसी विधानसभा के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी से हाथ मिलाया व लगभग 18 माह सरकार चलाई थी। बाद में अचानक नीतीश ने फिर से पाला बदला और वापस भाजपा के साथ सरकार बना ली।

मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हीं के पास रही। इस बीच उन्होंने इंडिया गठबन्धन बनाने में महत्वपूर्ण निभाई थी लेकिन उनके इस तरह पलटने से उनकी छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा था। फिर भी एनडीए के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ते हुए उन्होंने 12 सीटें जीतकर बताया कि उन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। केन्द्र की सरकार जिन दो दलों पर टिकी हुई है उनमें आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (16 सदस्य) और जेडीयू ही हैं। स्वाभाविक है कि भाजपा जेडीयू को दिखावे के तौर पर तो महत्व देती रहेगी लेकिन पूरी कोशिश करेगी कि वह विधानसभा में उसे कमजोर कर खुद की ताकत बढ़ाये। अब देखना यह होगा कि इसके लिये वह कौन से पैंतरे आजमाती है।

उधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाल ही में बिहार के दो दौरे कर चुके हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 22 फरवरी को आएंगे। प्रदेश के नये बने प्रभारी कृष्णा अल्लावरु 20 फरवरी को पहुंचेंगे और तीन दिनों तक वहां रहेंगे। माना जाता है कि यहां कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने मुद्दे को पुनर्जाग्रत करेगी क्योंकि बिहार इसी विमर्श की जमीन रही है। कभी नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों व दलितों का संरक्षक माना जाता था लेकिन भाजपा के साथ जाने तथा अनेक महत्वपूर्ण अवसरों व सम्बन्धित विषयों पर उनकी चुप्पी ने उनसे यह ताज छीन लिया है। अलबत्ता, लालूप्रसाद यादव की विरासत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के कारण तेजस्वी की इस मामले में प्रतिष्ठा बनी हुई है। फिर, अपने कार्यकाल में लाखों नौकरियां देने के कारण युवाओं एवं लाभान्वित होने वाले वर्गों में वे लोकप्रिय बने हुए हैं। तेजस्वी कांग्रेस के साथ हैं।खरगे अपने प्रस्तावित दौरे में बक्सर जायेंगे जहां संगठन की ओर से %जय बापू जय भीम जय संविधान% के नाम से एक बड़ी सभा की जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस इसके जरिये दलित-ओबीसी वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित करेगी। साथ ही, संगठन को यहां नये सिरे से मजबूत करने की रूपरेखा भी बनेगी। माना जाता है कि कांग्रेस यहां कम से कम 70 सीटों पर दावा करेगी।

नया टैक्स बिल 2025 : पारदर्शिता या डिजिटल निगरानी?

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है

नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टो करेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियां भी हैं।

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है। यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जगह लेगा और 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। यह न केवल करदाताओं के लिए बल्कि भारत की आर्थिक और डिजिटल संरचना के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति दी गई है। सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है।विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, %असेसमेंट ईयर' को %टैक्स ईयर% से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

पहली बार क्रिप्टो करेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे %अघोषित आय% की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है।यदि कोई एनआरआई भारत में रुपए 15 लाख या उससे अधिक की आय अर्जित करता है, तो उसे भारतीय करदाता माना जाएगा। इससे भारत में निवेश करने वाले अनिवासी भारतीयों पर प्रभाव पड़ सकता है।टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की कोशिश निवेशकों के लिए भारत को अधिक आकर्षक बना सकता है। हालांकि, डिजिटल निगरानी का बढ़ा हुआ दायरा विदेशी कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

सरल भाषा और पारदर्शिता कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद कर सकती है। करदाता अब जटिल कानूनी प्रावधानों से बच सकेंगे, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है।

सरकार का बढ़ता डिजिटल हस्तक्षेप नागरिकों की निजता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यदि डेटा सुरक्षा कानून मजबूत नहीं किए गए, तो यह विधेयक सरकार के लिए आलोचना का कारण बन सकता है।

क्रिप्टो करेंसी पर सख्त नियमों से इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी हो सकती है। निवेशक अधिक लचीले कर नियमों वाले देशों की ओर रुख कर सकते हैं।सरकार कर अधिकारियों को डिजिटल निगरानी का अत्यधिक अधिकार दे रही है, जिससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह निगरानी राज्य के रूप में सरकार की छवि बना सकता है।नए डिजिटल अनुपालन मानदंडों को पूरा करना छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए कठिन हो सकता है। इससे उनका प्रशासनिक खर्च बढ़ सकता है।विधेयक में कर दरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यदि उच्च कर दरें लागू की जाती हैं, तो इससे मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है।भारत में 15 लाख से अधिक कमाने वाले एनआरआईएस को निवासी करार देने से कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। इससे विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों के भारत में व्यापार करने की इच्छा प्रभावित हो सकती है।सरकार का यह कदम कर चोरी को रोकने और कर संग्रह बढ़ाने में मदद कर सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की कर व्यवस्था अधिक कुशल और पारदर्शी बन सकती है।इस विधेयक में निगरानी संबंधी प्रावधानों के कारण नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए मजबूत डेटा सुरक्षा कानून बनाना आवश्यक होगा।भारत में क्रिप्टो करेंसी के लिए स्पष्ट कर नियम आवश्यक होंगे, ताकि निवेशकों को अनिश्चितता से बचाया जा सके और सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके।भले ही यह विधेयक टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लगातार अद्यतन करने की जरूरत होगी ताकि यह बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी परिदृश्य के अनुकूल बना रहे।नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टो करेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियां भी हैं। यदि सरकार इन खामियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाती है, तो यह विधेयक भारत की कर प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार ला सकता है।

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

➲ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-

रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,

रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई

भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,

भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली

दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मॉइज ने कहा है- "मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...

गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है । इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांकर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में घिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

हंसी के फव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह!' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना!''

''जी! क्या बात हो गई?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई!''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

काकुरो पहेली - 1632

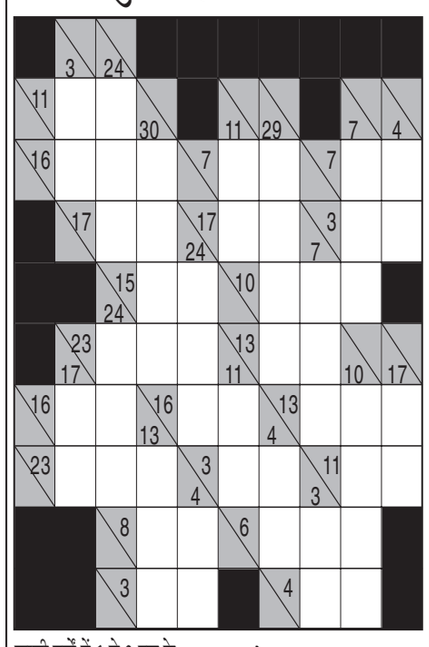

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

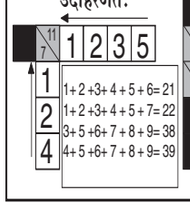

काकुरो - 1631 का हल

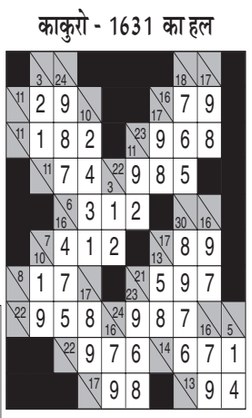

फिल्म वर्ग पहेली- 1632

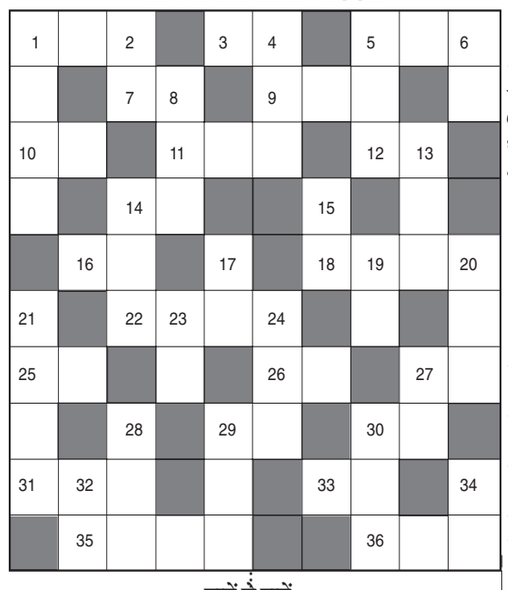

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, खीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, खीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'यारना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1631

खु	शी		शो		द	र	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			र
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		त्रा		गु	ल
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		र	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		र	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	श्रा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -1632

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1631 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1632

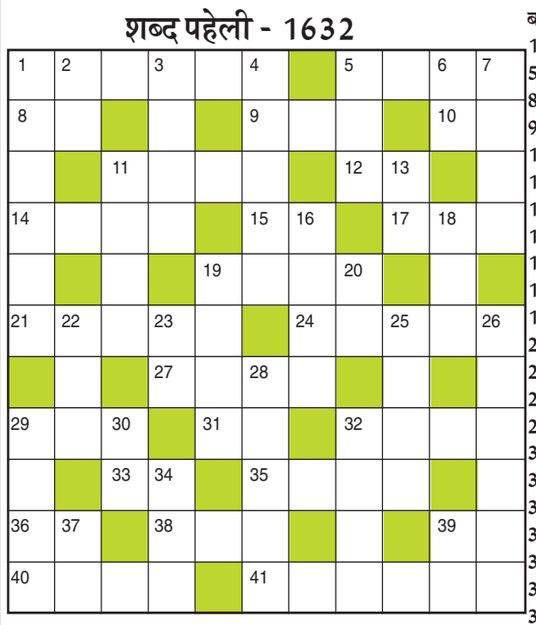

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 1631 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल			श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना			ज	रा		तं
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा	
र		हो		व	सु	ध	र		या	न	
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज		
मि	लौ		क	रा	मा	त		म			अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न	
व		ल	ता		अ	च	र	ज		ब	
ट	ब		ली	न	ता		तं		मी	न	
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त		

एम. वेंकैया नायडू बोले- 144 वर्षों में एक बार आता है महाकुम्भ जैसा पवित्र अवसर

एजेंसी

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत पूरी दुनिया से स्नानार्थियों व सैलानियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। इस क्रम में, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने भी सपरिवार त्रिवेणी संगम में स्नान व पूजन-अर्चन करके इस अलौकिक अनुभव को जीवनभर स्मृतियों में कैद रहने वाला अनुभव बताया। नायडू परिवार के साथ प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वीआईपी घाट से त्रिवेणी संगम जाकर आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। वेंकैया नायडू ने कहा कि महाकुम्भ 144 वर्षों में एक बार आने वाला महा अवसर है और इस अवसर पर वह प्रयागराज की धरती पर आकर परिवार समेत डुबकी लगाकर धन्य हो गए। उन्होंने विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस व स्थानीय प्रशासन के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि इतने बड़े महा आयोजन में कमियां निकालने के बजाय प्रशासन की हर संभव तरीके से मदद करनी चाहिए। प्रशासन के प्रयासों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने महाकुम्भ में अभूतपूर्व तैयारियां की हैं जिसकी प्रशंसा होनी चाहिए।नदियों के संरक्षण की अपील करते हुए नायडू ने कहा कि वर्षों से नदियों किनारे इस प्रकार के आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत आयोजन होने के पीछे एक कारण है। उनके अनुसार, हमारी नदियां केवल जलधारा नहीं बल्कि जीवित नदियां हैं जिनके माध्यम से जीवन ऊर्जा का प्रवाह होता है। इसे अविरल, निर्मल और किसी प्रकार की गंदगी, अशुद्धि और अतिक्रमण से बचाना सभी का कर्तव्य है जिसके लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक एकाकार भारत बनेगा दुनिया का सबसे ताकतवर देशः प्रमोद बोडो

महाकुम्भ नगर। गुवाहाटी से हेलीकॉप्टर से तीर्थराज प्रयाग आए बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोडो अपने 11 सदस्यीय टीम के साथ दुनिया के सबसे बड़े महाकुम्भ के साक्षी बने। उन्होंने त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर जगकल्याण की कामना की। उन्होंने गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ के शिविर में आदि शंकराचार्य के चरण पादुका की पूजा-अर्चना की और शंकराचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन सीधे दिल से जुड़ा है, इसलिए यह दिमाग तक जाता है। यह भविष्य में और बढ़ता जाएगा। महाकुम्भ को देखे या जाने बिना, कोई उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। उन्होंने यह बातें हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से एक विशेष वार्ता के दौरान कही।

जूही चावला ने संगम में लगाईं डुबकी, बोलीं-'मन कर रहा था मैं यहीं रह जाऊं'

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में फिल्मी सितारे भी त्रिवेणी की संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश की प्रसिद्ध अभिनेत्री जूही चावला ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाईं। उन्होंने अपने जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव बताया और कहा कि यह मेरी जिंदगी की सबसे खूबसूरत सुबह है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में दुनिया के सबसे बड़े इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में शानदार व्यवस्था के लिए पुलिस, प्रशासन और अधिकारियों की प्रशंसा भी किया। उन्होंने कहा कि आज हम भी स्नान करने गए। वहां शीतल पानी, इतना मजा आया कि वहां से हटने का मन नहीं हो रहा था। मन हो रहा था मैं वहीं रह जाऊं। बहुत-बहुत खूबसूरत, आप सबका धन्यवाद। पुलिस, आप सबका भी जिन्होंने यहां पर इतनी अच्छी व्यवस्था कर रखी है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

कोलकाता में सात माह की मासूम से दुष्कर्म के दोषी को फांसी की सजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सात माह की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के प्रयास के दोषी व्यक्ति को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। मंगलवार को बैंकशाल कोर्ट स्थित विशेष पोक्सो अदालत ने इस जघन्य अपराध के आरोपित को मौत की सजा का ऐलान किया।अदालत ने ही आरोपित को दोषी करार दिया था। अदालत ने कहा कि यह अपराध 'दुर्लभतम में दुर्लभ' श्रेणी का है और ऐसे मामलों में अधिकतम सजा देना ही न्यायसंगत होगी। अभियोजन पक्ष ने भी अदालत से आग्रह किया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी को मृत्युदंड दिया जाए। यह मामला कोलकाता के बड़तल्ला इलाके का है।

भारत को 2047 तक जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना हमारा विजनः सीआर पाटिल

एजेंसी

उदयपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना हमारा विजन है। सरकार इसी लक्ष्य को केन्द्र बिन्दु में रखकर कदम बढ़ा रही है। यह बात उन्होंने उदयपुर में शुरू हुई राज्य जल मंत्रियों के दो दिवसीय वाटर कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में कही।

भोपाल के बाद उदयपुर में देश भर के राज्य जल मंत्रियों का दूसरा अखिल भारतीय सम्मेलन हो रहा है। इस दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने स्वच्छता पर जोर दिया है तथा 12 करोड़ शौचालय बनवाए हैं। इससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए, साथ ही डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया है। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी अपने गांवों में भूजल पुनर्भरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रामजल सेतु परियोजना (पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले

समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वाटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी-जलाशयों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमें जल संरक्षण के उपायों को अपनाकर जल आत्म निर्भरता की दिशा में अग्रसर होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान किया जा सके। जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें एक सुव्यवस्थित रोडमैप की आवश्यकता है, जिसमें कृषि तथा शहरी जल प्रबंधन और तकनीकी नवाचार जैसे प्रमुख पहलुओं का समावेश हो। हमारी संवैधानिक व्यवस्था में जल राज्यों का एक विषय है, लेकिन प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से जल राज्यों के बीच समन्वय एवं सहयोग का विषय बन गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि ओडिशा में से महानदी, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियां बहती हैं, जो जल संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाती हैं। ओडिशा में वर्षा पर्याप्त है, लेकिन वर्षा वितरण में असमानता है।

गुजरात में स्थानीय निकायों के चुनाव में भाजपा का परचम लहराया

एजेंसी

अहमदाबाद। राज्य में पहली बार 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के साथ हो रहे स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम घोषित हो गए। राज्य के 66 नगरपालिकाओं और जूनागढ़ महानगर पालिका के चुनाव में भाजपा ने परचम फहराया। भाजपा ने जहां 62 नगर पालिकाओं पर जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस ने एक पर विजय प्राप्त की। अन्य पांच नगरपालिकाओं में अन्य दलों को जीत मिली। निकाय चुनावों की मतगणना बुधवार सुबह से ही अलग-अलग स्थानों पर शुरू हुई। इसमें 66 नगरपालिका के सामान्य चुनाव और दो नगरपालिका के मध्यावधि चुनाव परिणाम में भाजपा को 62 वहीं, कांग्रेस को एक नपा पर जीत मिली है। बाकी पांच नगरपालिका के चुनाव परिणाम में अन्य पार्टियों का दबदबा देखने को मिला है। नगर पालिका चुनावों के परिणाम में भाजपा को पार्षद की 1341 सीट, कांग्रेस को 252, आम आदमी पार्टी को 27, बीएसपी को 18 और निर्दलीयों को 156 सीटें मिलीं। सूरत महानगर पालिका की एक पार्षद सीट पर हुए उप चुनाव में भाजपा के जीतूभाई काछड विजयी हुए। उन्होंने कांग्रेस के संजय रामानंद (बावाजी) को हराया है। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक 66 नगरपालिका में 61.5 फीसदी मतदान हुआ था, जो कि वर्ष 2018 की तुलना में 3.35 फीसदी कम था। वर्ष 2018 में 75 नगरपालिका के चुनाव में औसत 65 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार के चुनाव में नगरपालिका पार्षद की 1844 सीटों में से 167 सीटों निर्विरोध पार्षद चुने गए हैं। इस वजह से 66 नगर पालिका के 1677 पार्षद सीट के लिए 4,374 उम्मीदवारों के लिए मत डाले गए थे। निर्विरोध सीटों में भाजपा को 162, कांग्रेस को एक और अन्य को चार पार्षद की सीट मिली हैं। इस चुनाव में सर्वाधिक चौंकाने वाला परिणाम पोरबंदर जिले के कुतियाणा नगर पालिका का आया है।

'नक्शा' पायलट कार्यक्रम एक क्रांति है जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई हैः शिवराज

एजेंसी

रायसेन। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज यहां जो कार्यक्रम हो रहा है, यह केवल रायसेन और प्रदेश का कार्यक्रम नहीं है। यह पूरे देश का कार्यक्रम है। आज रायसेन से पूरे भारत में 26 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के 152 शहरी स्थानीय निकायों में शहरी भूमि सर्वेक्षण 'नक्शा' पायलट कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में ड्रोन से सर्वे होगा और नक्शा बनाकर भूमि स्वामी को दिया जाएगा। नक्शा नहीं होने से कई परेशानियां होती हैं। अब नागरिकों के पास उनकी जमीन का व्यवस्थित रिकार्ड होगा। यह एक क्रांति है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने यह विचार रायसेन स्थित दशहरा मैदान में आयोजित शहरी भूमि सर्वेक्षण 'नक्शा' पायलट कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। समारोह में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ड्रोन उड़ाकर सिटी सर्वेक्षण प्रोग्राम का शुभारंभ किया। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि आज पूरे मध्य प्रदेश में वॉटरशेड शुरू कर रहे हैं। जल जीवन का आधार है और जल, जमीन से ही हमारी जिंदगी है। लेकिन आज भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

देश के 50 प्रतिशत सनातनियों ने लगाई त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुम्भ 2025' अब इतिहास रच चुका है। यहां अबतक 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है। 55 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में कुल 110 करोड़ सनातनी निवास करते हैं। इस लिहाज से महाकुम्भ में देश की आधे सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुका है। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता

से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है।

पूरी दुनिया के 45 प्रतिशत सनातनियों ने लगाई डुबकी

भारत एक धार्मिक देश है। यहां एक नहीं, बल्कि कई धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। हालांकि, इसमें सबसे बड़ी संख्या सनातन धर्म को मानने वालों की है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू, प्यू रिसर्च के मुताबिक भारत की अनुमानित जनसंख्या 143 करोड़ (1.43 अरब) है। इसमें सनातन धर्मावलंबियों की संख्या लगभग 110 करोड़ (1.10 अरब) है। इस तरह अगर स्नानार्थियों की संख्या की तुलना भारत में सनातनियों की संख्या से की जाए तो 50 प्रतिशत लोग अब तक त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो यह 38 प्रतिशत से अधिक बैठता है। यानी देश की कुल जनसंख्या की 38 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुकी है। प्यू रिसर्च 2024 की रिपोर्ट मानें तो पूरी दुनिया में 120 करोड़ (1.2 अरब) आबादी सनातन धर्म को मानने वाली है। इस लिहाज से पूरी दुनिया के 45 प्रतिशत से ज्यादा सनातनियों ने संगम में डुबकी लगाई है।

सीएम योगी की उम्मीदों के पार पहुंचा श्रद्धालुओं का आंकड़ा

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था।

कांग्रेस नेता उदित राज के बयान पर मायावती सहित बसपा कार्यकर्ताओं ने की निंदा

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती पर विवादित बयान देते हुए कहा कि मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। उदित राज के बयान के बाद बसपा की अध्यक्ष मायावती सहित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उदित के बयान की कड़े शब्दों में निंदा की।

उदित राज के बयान के बाद लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के महानगरों वाराणसी, कानपुर, गाजियाबाद, आगरा सहित कई स्थानों पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए और उन्होंने उदित राज के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। बसपा कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के हजरतगंज में प्रदर्शन के दौरान कहा

कि उदित राज ने अमर्यादित बयान दिया है। उदित राज को उनके बयान के लिए एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। बसपा की अध्यक्ष मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनन्द ने उदित राज के बयान की निंदा की और कहा कि बुआ मायावती के खिला कांग्रेस नेता उदित राज की विवादित टिप्पणी से बसपा कार्यकर्ताओं में बेहद आक्रोश है। लखनऊ पुलिस उदित राज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार नहीं करती है तो बसपा बड़ा प्रदर्शन करेगी।

लद्दाख में जान गंवाने वाले दो जेसीओ को सेना दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

लेह। लद्दाख में एक दुर्घटना में दो जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) की जान चली गई। एक अधिकारी ने बताया कि सेना ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले इन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी है।

सेना के अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी लद्दाख में लेह से 150 किलोमीटर दूर न्योमा इलाके में एक शिविर में पानी की टंकी फटने से सूबेदार संतोष कुमार और नायब-सूबेदार सुनील कुमार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि रविवार को हुई इस घटना की पुलिस जांच चल रही है। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचिंद्र कुमार ने बलिदानी सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया। लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर की एक पोस्ट को साझा करते हुए उत्तरी कमान ने एक्स पर लिखा कि लेफ्टिनेंट जनरल कुमार और ध्रुव कमान के सभी रैंक के अधिकारी सूबेदार संतोष कुमार और नायब सब-सूबेदार सुनील कुमार के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं, जिन्होंने लद्दाख में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने दोनों जेसीओ

की तस्वीरें साझा कीं और लिखा, जेओसी, फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स और सभी रैंक के अधिकारी सूबेदार संतोष कुमार और नायब सूबेदार सुनील कुमार को सलाम करते हैं, जिन्होंने लद्दाख में कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया और दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

विकसित भारत के लिए चार इंजन वाला बजट : मेघवाल

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केंद्रीय बजट एक रोडमैप है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 चार प्रमुख इंजन पर आधारित है-कृषि विकास, निवेश, एमएसएमई को बढ़ावा और निर्यात व औद्योगिक विकास।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल राजधानी दिसपुर स्थित लोकनिर्माण विभाग कन्वेंशन हॉल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहला इंजन कृषि विकास है, जिसमें पूर्वोत्तर और असम के किसानों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। दूसरा इंजन निवेश है, जो सार्वजनिक और

निजी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहित करेगा। सरकार रेलवे, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश कर रही है, जिससे रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। तीसरा इंजन एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए है, जिसमें ऋण की सीमा बढ़ाने और नई परिभाषाएं लागू करने जैसे कदम उठाए गए हैं। चौथा इंजन निर्यात को बढ़ावा देने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए रखा गया है।

उन्होंने कहा कि भारत इंडस्ट्री 4.0 के दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, थ्रीडी प्रिंटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों को बजट में विशेष रूप से स्थान दिया गया है।

असम के विकास पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य को बजट में पहले की तुलना में अधिक वित्तीय आवंटन मिला है। अमृत भारत योजना के तहत 60 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है, जबकि उड़ान योजना के तहत हवाई संपर्क में सुधार किया जाएगा।

महंगाई के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में सफल रही है।

कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद महंगाई को काबू में रखा गया है। उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि सरकार कृषि, एमएसएमई और मध्यवर्ग को कर राहत देकर व्यापक आर्थिक सुधार लागू कर रही है।

इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, असम सरकार के मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, अजंता नेओग आदि भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने किया जोगीघोपा टर्मिनल का उद्घाटन, बोले-भारत-भूटान और बांग्लादेश व्यापार को मिलेगी मजबूती

एजेंसी

बंगाईगांव (असम)। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने असम के जोगीघोपा टर्मिनल का उद्घाटन किया।उन्होंने कहा कि यह टर्मिनल भारत, भूटान और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा, यह टर्मिनल व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में तीनों देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। यह न केवल लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेगा बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के विजन को रेखांकित करते हुए सोनोवाल ने कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोगों को दिया गया एक बहुमूल्य उपहार है। जलमार्गों के

विकास से इस क्षेत्र में व्यापार और परिवहन का नया युग शुरू हो रहा है। यह टर्मिनल उत्तर-पूर्व जलमार्ग विकास योजना के तहत विकसित किया गया है, जिसमें बोगीबील (डिब्रूगढ़), सोनामुरा (त्रिपुरा), करीमगंज और बदरपुर (असम) में जलमार्ग टर्मिनलों का उन्नयन शामिल है।जोगीघोपा टर्मिनल को भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (आईएमएलपी) का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। यह सड़क, रेल, वायु और जलमार्गों को जोड़कर उत्तर-पूर्व को एक प्रमुख परिवहन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

इस परियोजना से स्थानीय उद्योग, कृषि और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्तर-पूर्व भारत वैश्विक व्यापार केंद्र बनने की ओर अग्रसर होगा।

ममता बनर्जी के बयान पर संत समाज में आक्रोश

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुम्भ को मृत्यु कुम्भ कहे जाने पर संत समाज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। संतों ने उनके बयान को सनातन धर्म और महाकुम्भ की पवित्रता का अपमान बताया। संत समाज ने एक सुर में ममता बनर्जी से अपने शब्दों पर खेद प्रकट करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत जमुना पुरी ने कहा कि ममता बनर्जी जिस जिम्मेदार पद पर हैं, वहां से ऐसा बयान देना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, प्रयागराज महाकुम्भ अमृत पर्व है, जिसकी दिव्यता और भव्यता पूरे विश्व ने देखी है। ममता बनर्जी को महाकुम्भ के नाम के साथ ऐसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी ने ममता बनर्जी के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल हिन्दू सनातनियों के लिए मृत्यु प्रदेश बनता जा रहा है। हजारों सनातनियों का नरसंहार हो रहा है और चुनाव के समय लाखों हिंदुओं को पलायन करना पड़ता है। ममता बनर्जी को उत्तर प्रदेश की नहीं, अपने प्रदेश की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को वैश्विक पहचान दिलाई और भव्य आयोजन से नया इतिहास रचा।

निर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास ने ममता बनर्जी के बयान को सनातन धर्म का अपमान बताया। उन्होंने कहा, प्रयागराज महाकुम्भ ने सनातन की दिव्यता को शीर्ष पर स्थापित किया है। ममता बनर्जी महाकुम्भ का आंकलन नहीं कर सकतीं क्योंकि उन्होंने हमेशा सनातन और उसके प्रतीकों का अपमान किया है।

मुख्यमंत्री के गृह जिले जशपुर में भाजपा क्षेत्र की तीनों जिला पंचायत सदस्य सीट हारी

एजेंसी

जशपुर/गरियाबंद/धमतरी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला पंचायत सदस्य के 4 क्षेत्रों के मतदान में भाजपा समर्थित दो, कांग्रेस समर्थित एक और एक निर्दलीय ने जीत हासिल की की है। जबकि धमतरी जिले की 6 जिला पंचायत सदस्य सीट में से 5 पर भाजपा ने जीत का परचम लहराया है। मुख्यमंत्री के गृह जिले जशपुर में भाजपा एक भी जिला पंचायत सीट नहीं जीत पाई। इन तीनों सीटों पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, जिससे क्षेत्र में भाजपा के लिए यह चुनाव बड़ा झटका साबित हुआ। हालांकि छत्तीसगढ़ भाजपा के पंचायत चुनाव के संयोजक ने दावा किया है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रथम दौर के मतदान के बाद पार्टी को तीन चौथाई से अधिक सीट प्राप्त हो रही हैं, यह विष्णु देव सरकार के जनहितैषी फैसलों की जीत है।

जशपुर की तीन जिला पंचायत सदस्य की सीट पर चुनाव हुआ, जिसमें 2 में कांग्रेस और एक में निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। क्षेत्र क्रमांक 1 से भाजपा के बागी गेंदबिहारी सिंह, क्षेत्र क्रमांक 2 से कांग्रेस समर्थित आशिका कुजूर और क्षेत्र क्रमांक 3 से कांग्रेस समर्थित मोनिका टोप्पो ने जीत दर्ज की है। वहीं बगीचा भाजपा के मंडल अध्यक्ष हरीश आरिक भी पंच का

चुनाव हार गए। गरियाबंद जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस अधिकृत संजय नेताम ने इस बार क्षेत्र क्रमांक 7 से चुनाव लड़ा था। कांग्रेस अधिकृत संजय नेताम को कुल 14877 मत मिले।वहीं महिला कांग्रेस अध्यक्ष को 5719 मत मिले थे। इस तरह अपने ही पार्टी के साथी से संजय ने 9158 मतों से बड़ी जीत दर्ज किया।

पिछली दो बार क्षेत्र क्रमांक 7 से चुनाव लड़ कर जीत दर्ज कराने वाली आदिवासी नेत्री लोकेश्वरी नेताम ने इस बार क्रमांक 8 से लड़ कर अपनी सीट बरकरार रखी। निर्दलीय लड़ रही लोकेश्वरी ने कुल 19293 मत हासिल किए। जबकि भाजपा की उम्मीदवार सूरती ध्रुवा 6405 मत लेकर दूसरे और कांग्रेस की सरस्वती नेताम 6213 मत लेकर तीसरे स्थान पर रहीं। भाजपा के युवा चेहरा गौरी शंकर कश्यप को क्षेत्र क्रमांक 9 से 7065 मतों के अंतर से जीत हासिल हुई।

सबसे ज्यादा तनाव भारतीय महिलाओं में

महिलाएं घर से लेकर दफ्तर तक खुद को बेहद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं। यह समस्या विकासशील देशों में ज्यादा दिख रही है। लेकिन यदि ये पूछा जाए कि दुनिया में किस देश की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं तो शायद इसका जवाब आपकों हैरानी और चिंता में डाल सकता है। जी हाँ, भारत की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं और इसका खुलासा एक सर्वे में भी हो चुका है। इस सर्वे में 6,500 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। ये सर्वे तुर्की, रूस, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, चीन, थाइलैंड, भारत, मलेशिया, मेक्सिको, ब्राजील, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, स्वीडन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया में कराया गया।

21 विकसित और उभरते हुए देशों में कराए गए नीलसन सर्वे में सामने आया कि तेजी से उभरते हुए देशों में महिलाएं बेहद दबाव में हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक स्थिरता और अपनी बेटियों के लिए शिक्षा के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद भी दूसरों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सर्वे में 87 प्रतिशत भारतीय महिलाओं ने कहा कि ज्यादातर समय वे तनाव में रहती हैं और 82 फीसदी का कहना है कि उनके पास आराम करने के लिए वक्त नहीं होता। हालांकि तनाव में रहने के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय महिलाएं आने वाले पांच साल के दौरान अपने ऊपर ज्यादा खर्च करेंगी। 96 प्रतिशत का कहना है कि वे कपड़े खरीदेंगी जबकि 77 फीसदी कहती हैं कि वे सेहत और सुंदरता से जुड़े उत्पादों पर जेब ढीली करेंगी। वहीं 44 फीसदी महिलाएं घर में बिजली से चलने वाली चीजें लाना चाहती हैं। सर्वे के अनुसार दुनिया भर में महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और बड़ी संख्या में नौकरियां कर रही हैं। उनके काम करने से घर की आमदनी भी बढ़ रही है। महिलाओं ने सर्वेकर्ताओं को बताया कि जब उन्हें अपने लक्ष्य मिलते हैं तो वह खुद को सशक्त महसूस करती हैं, लेकिन इससे उनका तनाव भी बढ़ता है।

तनाव और समय न होने के मामले में मेक्सिको की महिलाएं दूसरे नंबर पर हैं। वहां 74 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या से परेशान हैं। इसके बाद रूस में 69 प्रतिशत महिलाएं तनाव झेल रही हैं। सर्वे के मुताबिक इस तनाव के लिए एक हद तक सामाजिक बदलाव भी जिम्मेदार हैं। वहीं विकसित देशों में स्पेन में सबसे ज्यादा 66 प्रतिशत महिलाएं तनाव की शिकार हैं। इसके बाद फ्रांस में 65 प्रतिशत और अमेरिका में 53 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या सजूझ रही हैं। सर्वे में उभरते हुए देशों की 80 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीद है कि उनकी बेटी को उनसे कहीं ज्यादा वित्तीय स्थिरता मिलेगी जबकि 83 फीसदी का कहना है कि उन्हें शिक्षा हासिल करने के ज्यादा मौके मिलेंगे। विकसित देशों में 40 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि उनकी बेटियों की वित्तीय स्थिति उनसे अच्छी होगी जबकि 54 प्रतिशत का अनुमान है कि उनकी बेटियां बेहतर शिक्षा पाएंगी। यानि सर्वे से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जैसे महिलाएं तनाव में तो हैं लेकिन यदि उन्हें लक्ष्य दिया जाए तो वे खुद को सशक्त महसूस करती हैं, महिलाएं मानती हैं कि बेटियां उनसे ज्यादा शिक्षा हासिल करेंगी और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगी।

महिलाएं अब पहले की तरह अबला नहीं रहीं। चाहे राजनीति का क्षेत्र हो या तकनीकि या फिर सेना का, हर क्षेत्र में महिलाओं की जबरदस्त भागीदारी है। उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार मिले हैं और आगे बढ़ने के अवसर भी। लेकिन ये भी सच है कि वे आज भी घर पर वे हिंसा का शिकार बनती हैं और दफ्तर में भी उनसे भेद भाव किया जाता है। मुमकिन है आप इस बात पर एकाएक यकीन न करें लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है ऐसी लाखों महिलाएं हैं, जो जीवन में कभी ना कभी अपने पति के हाथों हिंसा का शिकार हुई हैं। ऐसा बहुत बार देखा गया है कि महिलाओं को फैसले लेना का हक नहीं दिया जाता, उन्हें खुद को हिंसा से बचाने की भी अनुमति नहीं होती। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसे 186 देश हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार देश में लिंग भेद खत्म करने की प्रतिज्ञा ली है, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे हैं। 127 देश तो ऐसे हैं जो बलात्कार की सजा भी नहीं दे पाते और 61 देशों में गर्भपात पर रोक है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएन वुमन ने यह रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज से दो शतक पहले केवल दो ही देशों में महिलाओं को मताधिकार था लेकिन अब लगभग हर देश में महिलाओं को यह अधिकार प्राप्त हो गया है। इसके बावजूद उनके उत्पीड़न और प्रताड़ित किए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं।

महिलाओं को घर पर बुरे व्यव्हार के साथ-साथ दफ्तर में भी तनाव का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है दुनिया में आधी से अधिक नौकरी पेशा महिलाएं ऐसी नौकरियां कर रही हैं, जहां वे सुरक्षित महसूस नहीं करती। इनकी संख्या करीब साठ करोड़ है और जिस तरह की नौकरियों में वे फंसी हुई हैं, वह श्रम कानूनी के दायरे से भी बाहर है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को तीस प्रतिशत कम वेतन मिलता है।

घर से दफ्तर तक भेदभाव

2 मिनट में करें मेकअप

आज की दौड़-भाग भरी इस जिंदगी में स्वयं के लिए खुद के लिए और खास तौर पर मेकअप के लिए वक्त निकालना मुश्किल हो गया है। महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि पहले जरूरी काम निपटा लें फिर तैयार हो जाएंगी। काम निपटाते-निपटाते कब ऑफिस या पार्टी में जाने का वक्त हो जाता है उन्हें पता ही नहीं चलता और वे ठीक से तैयार हुए बिना ही निकल पड़ती हैं, फिर बाद में अफसोस करती हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ टिप्स जिसे अपनाकर आप मिनटों में मेकअप कर सकती है। दो मिनट का समय निकालना कोई मुश्किल काम नहीं है। सबसे पहले चेहरे पर फाउंडेशन व आंखों पर लाइट कलर का आई शेडो लगाएं। चिकबोन पर लाइट शेड का ब्लश आन और होठों पर लिप ग्लास लगाएं। इस तरह आप 2 मिनट में सॉफ्ट और सोफेस्टिकेटेड लुक के साथ तैयार हो सकती हैं। रोजमर्रा के लिए इतना मेकअप काफी है। स्पेशल यानी खास मौके पर जाना हो तो पहले फाउंडेशन लगाएं फिर कॉम्पेक्ट से फाइनल टच दें। इस बार आंखों पर भी थोड़ा ज्यादा मेकअप करें। पहले लाइनर फिर लाइट शेड या दो शेड को मिलाकर आई शैडो लगाएं आप चाहें तो काजल भी लगा सकती हैं। चिकबोन पर हल्के पिंक या पीच शेड का ब्लश आन लगाएं। होठों का मेकअप हल्का रखें। होंठो के लिए लिप ग्लास ही काफी है।

पार्टी में यदि आप कुछ अलग और खास नजर आना चाहती हैं तो मेकअप को 10 मिनट दें। सबसे पहले चेहरे के दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर, फिर केक फाउंडेशन, काम्पेक्ट या पैन केक से बेस लगाएं। आंखों के लिए ग्रे, पर्पल जैसे शेड चुनें। साथ ही इस बार आईलाइनर, मस्कारा और काजल भी लगाएं। ब्लश आन थोड़ा डार्क रखें या शाईनर का उपयोग करें। लिपलाइनर से आउटलाइन करके लिपिस्टिक लगाएं। अंत में लिप ग्लास से फाइनल टच दें।

शहद के गुणकारी घरेलू नुस्खे

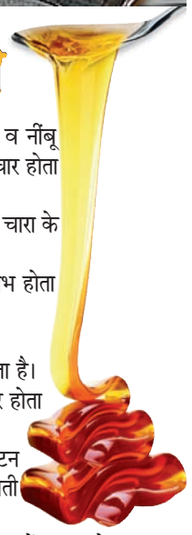

- हृदय की धमनी के लिए शहद बडा शक्तिवर्द्धक है। सोते वक्त शहद व नींबू का रस मिलाकर एक ग्लास पानी पीने से कमजोर हृदय में शक्ति का संचार होता है।
- पेट के छोटे-मोटे घाव और शुरुआती स्थिति का अल्सर शहद को दूध या चारा के साथ लेने से ठीक हो सकता है।
- सूखी खाँसी में शहद व नींबू का रस समान मात्रा में सेवन करने पर लाभ होता है।
- शहद से माँसपेशियाँ बलवती होती हैं।
- बढे हुए रक्तचाप में शहद का सेवन लहसुन के साथ करना लाभप्रद होता है।
- अदरक का रस और शहद समान मात्रा में लेकर चाटने से श्वास कष्ट दूर होता है और हिचकियाँ बंद हो जाती हैं।
- संतरों के छिलकों का चूर्ण बनाकर दो चम्मच शहद उसमें फेंटकर उबटन तैयार कर त्वचा पर मलें। इससे त्वचा निखर जाती है और कांतिवान बनती है।
- कब्जियत में टमाटर या संतरे के रस में एक चम्मच शहद डालकर सेवन करें, लाभ होगा।

खाना खजाना

मटर के समोसे

सामग्री-250 ग्राम मैदा, चुटकी भर अजवायन, 2 कटोरी मटर के दाने, 2 छोटे चम्मच अमचूर व लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार बारीक कटी हरी मिर्च।

विधि-मैदे में अजवायन व मोयन डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटा गूंध लें। भरावन के लिए मटर को दरदरा पीस लें। इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, नमक, अमचूर, गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें तैयार भरावन डालकर पांच मिनट तक भून लें। गूंधे हुए मैदे की लोई बनाकर पतली रोटी बेल लें। रोटी के बीच से दो भाग करें। समोसे का आकार देते हुए भरावन भरें। इसी तरह सभी समोसे तैयार करें। गर्म तेल में मध्यम आंच पर सुनहरे होने तक सभी समोसे तल लें। इमली या हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म समोसे सर्व करें।

लजीज केसर-मटर पुलाव

सामग्री- 1 कटोरी बासमती चावल, 1 कटोरी मटर, 1 चम्मच केसर, 1/2 कप दूध, 3-4 लौंग, 1 टुकडा दालचीनी, 2 बड़ी इलायची, 2-3 छोटी इलायची, 3-4 तेज पत्ते, 3-4 काली मिर्च, 4-5 अखरोट की गिरियों के टुकड़े, 8-10 काजू, 10-12 बादाम, 1 बड़ा चम्मच घी, थोड़ी किशमिश, नमक स्वादानुसार।

विधि- केसर को दूध में घोल लें। चावल को पानी में भिगो दें। घी गरम करके किशमिश डालकर सूखे मेवे हलके गुलाबी तलकर बाहर निकालें। सारा खड़ा गरम मसाला गरम घी में डालें। आधा केसर दूध व चावल डालकर चलाएं। ढाई कटोरी पानी, मटर, किशमिश और नमक डालकर उबालें। तैयार हो जाने पर शेष केसर, दूध डालकर 2-3 मिनट तक ढंक दें। परोसने के समय तले सूखे मेवों से सजाएं और सर्दी के मौसम में गरमा-गरम केसर-मटर पुलाव का लुफ्त लें।

प्रेग्नेंसी में झड़ते हैं बाल

मां बनना किसी भी महिला की लाइफ का सबसे खुशनुमा पल होता है। लेकिन यह खुशी तब छू हो जाती है, जब अचानक बालों का गिरना शुरूहो जाता है।

प्रेग्नेंसी के बाद आमतौर पर महिलाओं के बाल गिरने लगते हैं। कई महिलाएं तो यह सोच- सोचकर टेंशन में आ जाती हैं कि आखिर इनका गिरना कैसे रोका जाए। चिकित्सकों के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान हुए हार्मोनल चेंज की वजह से ऐसा होता है और जब हार्मोंस नॉर्मल फेज में आने लगते हैं, तो बालों का गिरना धीरे-धीरे कम होता चला जाता है।

चिकित्सकों के अनुसार यह समस्या आमतौर पर प्रेग्नेंसी के बाद या बर्थ कंट्रोल पिल्स के बंद करने पर आती है। इसके अलावा, ज्यादा ब्लीडिंग होना, स्ट्रेस और एनीमिक होना भी बालों के गिरने की एक बड़ी वजह होती है।

प्रेग्नेंसी में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल काफी बढ़ जाता है। यही हार्मोन बालों की ग्रोथ बढ़ाते हैं, इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान तो आपके बाल ना के बराबर गिरते हैं। दरअसल, हमारे 90 फीसदी बाल एक समय में बढ़ते हैं और वहीं 10 फीसदी (रेस्टिंग फेज) में चले जाते हैं। प्रेग्नेंसी में रेस्टिंग फेज के बाल बढ़ते जाते हैं। जैसे ही यह लेवल बदलता है, बाल गिरना शुरू होते हैं। ऐसा पोस्ट-प्रेग्नेंसी के 3-6 महीने तक रहता है। वैसे यह भी देखने में आया है कि कुछ महिलाओं के बाल पहले जैसे घने फिर से नहीं हो पाते हैं। इनके अलावा भी बालों के गिरने की कई वजह होती हैं।

जैसे किसी हार्मोनल दवा को अचानक छोड़ना, मिस कैरिज होना, एबार्शन, हार्मोनल असंतुलन आदि। इस समस्या से निपटने के लिए खूब फल आदि खाएं। इससे बालों को पूरे न्यूट्रिशंस मिल पाएंगे , जिससे वो कम गिरेंगे। कैलशियम, फॉलिक एसिड, विटामिन बी, सी, ई के साथ जिंक और आयरन जरूर लें। बटर चिकन अवॉइड करें । इनके बजाय फिश, लो फैट चीज, अंडे, बादाम, बींस और दही खाएं। डेयरी प्रॉडक्ट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना फायदेमंद रहेगा। आयरन की क्वांटिटी भरपूर रहने से बालों की जड़ों में ब्लड फ्लो अच्छा रहता है, जिससे उनकी ग्रोथ अच्छी रहती है। इसके लिए किशमिश या मुनक्का और चौरी जूस लेना फायदेमंद रहेगा। अंडा, खजूर, हरी सब्जियां भी आयरन के अच्छे सोर्स हैं। इसके साथ विटामिन सी के लिए ऑरेंज, स्ट्रॉबेरी आदि लेना न भूलें क्योंकि यह आयरन को पचाने में मदद करते हैं। खीरे के छिलके, लाल-हरी मिर्च और आलू में सिल्का होता है, जो कई तरह के विटामिंस के पाचन को आसान कर देता है। लेकिन इनका फायदा आपको पूरी तरह तभी मिल पाएगा, जब आप इनको कच्चा खाएंगे। इस सबके अलावा खूब सारा पानी लें, ताकि आपका सिस्टम क्लीन और बाल हाईड्रेट रहें।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 के लिए मुख्य स्टेडियम की घोषणा मार्च में होगी

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड प्रांत की सरकार ने कहा कि ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 और पैरालिंपिक खेलों के लिए मुख्य स्टेडियम के जगह की घोषणा मार्च में की जाएगी।क्वींसलैंड के उप प्रधानमंत्री जारोड ब्लेजी ने बताया कि चर्चा के बाद 25 मार्च को सरकार मुख्य स्टेडियम की जगह बारे में घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए बुनियादी ढांचे प्रदान करने के लिए चल रही स्वतंत्र समीक्षा में 08 मार्च को सरकार को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने वाली है। रिपोर्ट में इस बात की सिफारिश की जाएगी कि नया स्टेडियम बनाया जाए या नहीं और एथलेटिक्स खेल कहाँ आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने कहा, क्वींसलैंड के लोग विश्व मंच पर खेलों को लेकर किसी तरह आलोचना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि हम 2032 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों का आयोजन करेंगे, जिस पर हमारा प्रांत गर्व कर सके और जो हमें विश्व मंच पर एक महान प्रांत के रूप में उभरकर सामने आये।

लखनऊ छावनी में शुरु हुआ डीएडी बैडमिंटन टूर्नामेंट

लखनऊ । लखनऊ में 11वें अखिल भारतीय रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) बैडमिंटन टूर्नामेंट की विधिवत शुरुआत हो गयी। सूर्या खेल परिसर (एसकेपी) में टूर्नामेंट का उद्घाटन रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) देविका रघुवंशी ने किया। इस मौके पर मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एसके चौधरी, आईडीएएस, हरि हर मिश्रा, आईडीएएस के साथ-साथ सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सेवानिवृत्त आईडीएएस अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने बैंड प्रदर्शन के साथ मार्च-पास किया। टूर्नामेंट में कुल 184 खिलाड़ी (127 पुरुष और 57 महिलाएं) भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट को स्पोर्ट्स कोटा श्रेणी,ओपन श्रेणी और आईडीएएस अधिकारी श्रेणी में विभाजित किया गया है। इसमें खेल कोटा के तहत 12 खिलाड़ी , आईडीएएस अधिकारी श्रेणी के तहत 37 अधिकारी और ओपन श्रेणी के तहत 135 खिलाड़ी भाग लेंगे। टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा, जिसमें शुरुआती राउंड 30 अंकों के एकल सेट के होंगे। हालाँकि, क्वार्टर फ़ाइनल से 21 अंकों के सर्वश्रेष्ठ तीन सेट खेले जाएंगे। आज सभी 83 मैच खेले जा चुके हैं। टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा, जिसमें शुरुआती राउंड 30 अंकों के एकल सेट के होंगे। हालाँकि, क्वार्टर फ़ाइनल से 21 अंकों के सर्वश्रेष्ठ तीन सेट खेले जाएंगे।

थाईलैंड को हराकर दक्षिण कोरिया एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वार्टरफाइनल में

शेन्ज़ेन, (चीन)। दक्षिण कोरिया ने ग्रुप डी में थाईलैंड को 4-1 से हराकर एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गये मुकाबले में योत्सकोन बुराफा के बॉक्स से बाहर के शॉट ने थाईलैंड को 23वें मिनट में बढ़त दिलाई। इसके बाद दक्षिण कोरिया के यूं डो-योंग ने 32वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दक्षिण कोरिया के किम ताए-वोन ने 59वें और 86वें मिनट में दो गोल किए। स्थानापन्न पार्क सेउंग-सू की ओर से किये गये चौथे गोल ने दक्षिण कोरिया की जीत पक्की कर दी। इसी के साथ दक्षिण कोरिया ने अंतिम आठ में जगह बना ली हैं। इससे पहले हुये जापान और सीरिया के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर छूटा। सीरिया के मोहम्मद अल मुस्तफा ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जापान के युटो ओजेकी ने 24वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अहमद सौफी ने 33वें मिनट में गोलकर सीरिया को फिर से बढ़त हासिल दिलाई। इसके बाद जापान के रेंटो ताकाओका ने 85वें मिनट में गोल कर फिर से स्कोर को 2-2 बराबरी पर ला दिया। जापान को तीसरे दौर के लिए केवल एक ड्रॉ की आवश्यकता है। वही थाईलैंड दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिपः नवदीप सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। हरियाणा के नवदीप सिंह ने राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों की भाला फेंक (स्र41 वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 39.93 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश के लक्ष्य चौधरी ने 34.21 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता, जबकि दिल्ली के रितेंदर ने 32.93 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। 24 वर्षीय पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप ने स्वर्ण जीतने पर खुशी जाहिर की, लेकिन कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य 40 मीटर पार करने का था, लेकिन हाल ही में उन्होंने पर्याप्त अभ्यास नहीं किया था। मैं अपने प्रदर्शन से थोड़ा निराश हूं क्योंकि मैं 40 मीटर का लक्ष्य लेकर आया था। हालांकि, मैं अपनी गलतियों पर काम करूंगा और भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर करने का प्रयास करूंगा, नवदीप ने कहा। नवदीप अब 11 से 13 मार्च तक नई दिल्ली में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, यह भारत में पहली बार हो रहा है और देशवासियों को पैरालंपियन के खेल को करीब से देखने का मौका मिलेगा। मैं इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए तैयार हूं।

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

वड़ोदरा । नेट सायबर ब्रंट (दो विकेट/ 57रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत मुंबई इंडियंस ने वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पांचवें मुकाबले में 23 गेंदे शेष रहते गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। गुजरात जायंट्स के 120 के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गवां दिया। हेली मैथ्यूज (17) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया मिश्रा ने यास्तिका भाटिया (आठ) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (चार) रन बनाकर आउट हुई। एमेलिया केर (19) रन बनाकर आउट हुई। नेट सायबर ब्रंट ने 39 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। संजीवन सजना (10) रन बनाकर नाबाद

रही। मुम्बई इंडियंस ने 16.1 ओवर में 122 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया।गुजरात की ओर से काश्वी गौतम और प्रिया मिश्रा ने दो- दो विकेट लिये। तनुजा कंवर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने एक के बाद एक अपने चार विकेट 28 के स्कोर पर गवां दिये। बेथ मूनी (एक), लॉरा वुलफार्ट (चार), दयालन हेमलता (नौ) और कप्तान एश्ली गार्डनर (10) रन बनाकर आउट हुई। हरलीन देओल और काश्वी गौतम ने पारी संभालने का प्रयास किया। 12वें ओवर में हैली मैथ्यूज ने काश्वी गौतम (20) को आउटकर मुंबई को पांचवी सफलता दिलाई। डिएंड्रा डॉटिन (सात) रन बनाकर आउट हुई। सिमरन शेख (तीन), तनुजा कंवर (13) रन बनाकर आउट हुई। हरलीन देओल ने टीम के साथ सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। उन्हें एमेलिया केर ने आउट किया। सायली सातघरे (13) रन बनाकर नाबाद रही। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 120 रन बनाये। मुम्बई की ओर से ली मैथ्यूज ने तीन विकेट, नेट सायबर ब्रंट और एमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिये। शबनिम इस्माइल और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मोहम्मद अजहरुद्दीन की नाबाद शतकीय पारी से केरल का विशाल स्कोर

एजेंसी

अहमदाबाद। मोहम्मद अजहरुद्दीन (नाबाद 177) की शतकीय की बदौलत केरल ने रणजी ट्राफी के पहले सेमीफाइनल के तीसरे दिन 457 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। केरल ने कल के सात विकेट पर 418 रन आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र की शुरुआत में चिंतन गजा ने आदित्य सरवटे (11) को बोल्ड कर केरल को आठवां झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष (पांच) रनआउट हुये। हालांकि इस दौरान मोहम्मद जहरुद्दीन एक छोर थामे खड़े रहे। चिंता गजा ने एनपी बासिल (एक) को आर्य देसाई के हाथों कैच आउट कराकर केरल की पहली पारी का अंत कर दिया। आज केरल ने 39 रन जोड़ कर अपने तीन विकेट गवां दिये। केरल ने अपनी पहली पारी में 187 ओवर में 457 रन बनाये। गुजरात की ओर से अरजान नागवासवाला ने तीन विकेट लिये। चिंतन गजा को दो विकेट मिले। प्रियजीत सिंह जाडेजा, विशाल जायसवाल और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का निधन

मुम्बई। मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। रेगे को कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां और आज सुबह छह बजे उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 1966 से 1977-78 तक कुल 52 मैच खेलते हुए 126 विकेट लिए। कुल 23.56 की और औसत से 1532 रन भी बनाए। मुंबई के पूर्व कप्तान ने 1960 और 70 के दशक में एक दशक से अधिक समय तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। अपने खेल करियर के बाद रेगे मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में विभिन्न पदों पर जुड़े रहे। उनके अलग-अलग कार्यकाल में चयनकर्ता और मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी कार्य किया। 1988 में जब युवा सचिन तेंदुलकर को रणजी ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया था, तब वे मुंबई

के चयनकर्ताओं में से एक थे। नागपुर में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मुंबई और विदर्भ दोनों टीमों ने रेगे की याद में तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा। इस दौरान खिलाड़ी हाथों पर काली पट्टी बांध कर मिलिंद रेगे को श्रद्धांजलि दी।

शार्दुल ठाकुर काउंटी चैम्पियनशिप में एसेक्स के लिए खेलेंगे

एजेंसी

नागपुर। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी चैम्पियनशिप के शुरुआती चरण में एसेक्स के लिए खेलेंगे। शार्दुल ने काउंटी में खेलने के लिए एसेक्स के साथ अनुबंध किया है। शार्दुल ठाकुर अप्रैल और मई के दौरान सात मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह पहली बार काउंटी किकेट में खेलेंगे।

उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में 100 से अधिक विकेट लिए हैं और आखिरी बार 2023-24 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले थे। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। मौजूदा रणजी ट्रॉफी में मुंबई को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका रही है। उन्होंने 21.67 की औसत से 34 विकेट लेने के साथ-साथ 400 से अधिक रन बनाए हैं। एसेक्स की टीम के साथ हुए अनुबंध पर ठाकुर ने कहा, मैं इस गर्मी में एसेक्स से

जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए नए अवसर और चुनौतियां लेकर आएगा, जिससे मैं अपनी प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित कर सकूं। काउंटी क्रिकेट खेलने की मेरी हमेशा से इच्छा थी और मैं खुश हूं कि मैं इस टीम का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, हम शार्दुल ठाकुर के साथ करार करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हमारी योजना स्पष्ट थी कि हमें एक उच्च गुणवत्ता वाला तेज गेंदबाज चाहिए था, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सके।

बेन कर्रन का शतक, जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को नौ विकेट से हराया

हरारे (वार्ता)। बेन कर्रन (नाबाद 118) की शतकीय और कप्तान क्रेग एर्विन (नाबाद 69) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 63 गेंदे शेष रहते आयरलैंड को नौ विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 124 रन जोड़े। 20वें ओवर में ग्रेम ह्यूम ने ब्रायन बेनेट (48) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान क्रेग एर्विन ने बेन कर्रन के पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। बेन कर्रन ने 130 गेंदों में 14 चौकों की मदद से (नाबाद 118) रनों की पारी खेली।

वही क्रेग एर्विन ने 59 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 69)रन बनाये। जिम्बाब्वे ने 39.3ओवर में 246 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने 42 के स्कोर तक अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान पॉल स्टर्लिंग (नौ) और कर्टिस कैमफर (11) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैरी टेक्टर ने एंडी बैलबर्नी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 86 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में वेलिंग्टन मसाकाट्जा एंडी बैलबर्नी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एंडी बैलबर्नी ने 99 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (64) रनों की पारी खेली। इसके बाद 39वें ओवर में रिचर्ड एन्गारावा ने हैरी टेक्टर (51) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। जॉर्ज डॉकरेल (दो) रन बनाकर आउट हुये। लोर्कान टकर ने 54 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। उन्हें 50वें ओवर में ब्लेसिंग मुजरबानी ने बोल्ड आउट किया। आयरलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 240 रन का स्कोर खड़ा किया।जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गारावा और ट्रेवर ग्वांडू ने दो-दो विकेट लिये। ब्लेसिंग मुजरबानी और वेलिंग्टन मसाकाट्जा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में जर्मनी ने भारत को 4-1 से हराया

एजेंसी

भुवनेश्वर। मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी ने पुरुष एफआईएच हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। आज यहां भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जर्मनी के लिए फ्लोरियन स्पलिंग ने (सातवें) मिनट, थिएस प्रिंज ने (14वें) मिनट, मिशेल स्ट्रुथॉफ ने (48वें) मिनट और राफेल हार्टकोफ ने (55वें) मिनट में गोल किये।

वहीं भारत की ओर से एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने (13वें)मिनट में किया। पहले क्वार्टर में जर्मनी की ओर से फ्लोरियन स्पलिंग ने सातवें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके कुछ देर बाद ही भारत के गुरजंत सिंह ने 13वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी के थिएस प्रिंज ने 14वें मिनट में एक और गोल करके अपनी टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया। भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में आक्रामक प्रदर्शन किया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी गोल करने में विफल रहे। 48वें मिनट में जर्मनी ने मिशेल स्ट्रुथॉफ के जरिए गोलकर बढ़त को 3-1 कर दिया। इसके दो मिनट बार राफेल हार्टकोफ ने जर्मनी के चौथा गोल कर अपनी टीम जीत सुनिश्चित कर दी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता

टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए। श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई।

गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता। वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में जगह बनाई।

वाटिका बनाम सुदेवा मुकाबला रहा ड्रा

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में आज यहाँ नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए रोमांचक मुकाबले में वाटिका एफसी ने सुदेवा एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक कर महत्वपूर्ण अंक झटक लिए। सुदेवा के लिए गोल संखिल डरपोल ने और वाटिका की ओर से जवाबी गोल कुशाग्र कक्कर ने जमाया । दिन के पहले मुकाबले में अंक तालिका में टॉप पर चल रहे सीआई एस एफ ने फिसड्डी यूनाइटेड भारत एफसी को बमुश्किल 2-1 से हराया। वाटिका के गोल कीपर यश कुलकर्णी और सी आई एस एफ के मोहम्मद खालिद को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। सी आई एस एफ के गोल मोहम्मद खालिद और शक्तिनाथ ने किए। पराजित यूनाइटेड भारत का गोल जहाँ ने किया।

चोटिल लॉकी फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

एजेंसी

लाहौर। न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की पूर्व संध्या पर उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फर्ग्यूसन दाहिने पैर में चोट के कारण आठ टीमों के टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

उनकी जगह न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन के जाने से चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह की शुरुआत में चोट के कारण टीम को तेज गेंदबाज बेन सियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गये और उनकी जगह जैकब डफी को टीम में शामिल किया गया। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, ÷हम लॉकी के लिए वास्तव में निराश हैं। उन्होंने कहा कि लॉकी गेंदबाजी समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उसके पास कई

बड़े टूर्नामेंटों का अनुभव है और हम जानते हैं कि वह किसी अन्य प्रमुख आयोजन में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कितना उत्सुक था। हम उसके ठीक होने और जल्द ही वापसी करते हैं। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को लाहौर में टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

एजेंसी

हैदराबाद। मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था। मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं। हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं। रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान

फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं। मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5त्न (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6त्न सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है। हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की। उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

रश्मि देसाई

का नंदीश से 5 साल में हुआ तलाक, इन 3 लड़कों से जुड़ा नाम, अब शादी के लिए हैं तैयार

14 साल पहले यानी साल 2011 में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने एक्टर नंदीश संधू से शादी की थी. लेकिन रश्मि की ये शादी महज 5 साल में ही टूट गई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तलाक के समय रश्मि और नंदीश की तरफ से एक दूसरे पर कई इल्जाम लगाए गए थे. रश्मि की तरफ से दावा किया गया था कि नंदीश की कई लड़कियों के साथ दोस्ती है. इसके अलावा रश्मि ने घरेलू हिंसा का भी आरोप लगाया था. तो नंदीश की तरफ से बताया गया था कि रश्मि की ओवर सेंसेटिव आदत की वजह से वो अलग हो रहे हैं.अपनी शादी के टूटने के कुछ साल बाद रश्मि ने अरहान खान को डेट करना शुरू किया था, लेकिन अरहान के साथ भी उनका रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया. खुद सलमान खान ने नेशनल टीवी पर अरहान के झूठ से पर्दा उठाते हुए कहा था कि वो पहले से ही शादीशुदा है और उनका एक बेटा भी है. रश्मि के परिवार की तरफ से भी कहा गया था कि अरहान रश्मि का फायदा उठा रहा है. बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद रश्मि ने अरहान के साथ अपना रिश्ता तोड़ लिया था.

उमर रियाज संग बनी जोड़ी ?

अरहान के बाद रश्मि देसाई के फैंस ने आसिम रियाज के बड़े भाई उमर के साथ उनकी जोड़ी बना दी थी, लेकिन दोनों ने कभी अपने रिश्ते को कंफर्म नहीं किया. रश्मि और उमर की तरफ से हमेशा ये कहा गया था वो एक दूसरे के सिर्फ अच्छे दोस्त हैं.

सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी जोड़ा गया था नाम

रश्मि देसाई का नाम सिद्धार्थ शुक्ला से भी जोड़ा गया था. दरअसल ये दोनों कलर्स टीवी के सीरियल 'दिल से दिल तक' में ऑनस्क्रीन पति-पत्नी का किरदार निभा रहे थे. इन दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद थी. लेकिन जब ये दोनों एक साथ 'बिग बॉस 13' के सीजन में नजर आए, तब उन्होंने बताया कि दोनों की लिंक अप की खबर महज एक अफवाह थी. असल में दोनों की आपस में बिल्कुल भी नहीं बनती थी.

शादी के लिए तैयार हैं रश्मि

रश्मि देसाई ने दूसरी शादी को लेकर बात करते हुए कहा कि उनके माता-पिता चाहते हैं कि अच्छे इंसान के साथ रश्मि की शादी हो जाए और उनका घर बस जाए. इस बीच रश्मि ने ये भी बताया कि उनके माता-पिता ने उनके लिए एक अच्छा रिश्ता ढूंढना शुरू कर दिया है. हालांकि रश्मि को पूरा विश्वास है कि जब भगवान की इच्छा होगी तब उन्हें प्यार भी मिलेगा और सही इंसान भी.रश्मि ने आगे बताया कि मेरे घर में तो मेरे माता-पिता मेरे लिए रिश्ता ढूंढने के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं. लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे पूरा विश्वास है कि सही समय पर ही सही इंसान मेरी जिंदगी में आएगा. रश्मि देसाई ने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि गलत रिश्तों की वजह से वो कई बार बुरी तरह से फंस गई हैं.

'भाबीजी घर पर हैं' के राइटर की हालत गंभीर, लीवर खराब होने की वजह से अस्पताल में भर्ती, कविता कौशिक ने की दुआ की अपील

'भाबीजी घर पर हैं', 'हप्पू की उलटन पलटन', 'मे आई कम इन मैडम' जैसे बेहतरीन कॉमेडी शोज लिखने वाले राइटर मनोज संतोषी इस वक्त लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं. उनकी हालत नाजुक है और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. उन्होंने कॉमेडी शो स्नैक्सके कुछ एपिसोड्स भी लिखे थे, जिसमें कविता कौशिक, गोपी भल्ला, आमिर भल्ला, संदीप आनंद, किकू शारदा अहम किरदार में नजर आए थे. हाल ही में कविता कौशिक ने मनोज संतोषी का एक पुराना वीडियो शेयर किया है और बताया है कि उनकी हालत ठीक नहीं है.कविता कौशिक ने इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में वो मजेदार अंदाज में अपने दोस्तों के लिए गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं. वीडियो शेयर कर कविता कौशिक ने कैप्शन में लिखा, आप उनको भाबीजी घर पर हैं, हप्पू की उलटन पलटन, एफआईआर, मे आई कम इन मैडम, यस बॉस और दूसरे कॉमेडी शोज के राइटर के तौर पर जानते होंगे.

दुआ की अपील की

कविता कौशिक ने आगे लिखा, आज मैं आप सभी से मनोज संतोषी के लिए प्रार्थना करने को कह रही हूं, क्योंकि उनका लीवर बुरी तरह खराब है और वो अस्पताल में भर्ती हैं. बिनाफर नाकरा कोहली और उनकी पूरी टीम उनको बचाने के लिए लड़ रही है. प्लीज इस कमाल के इंसान के लिए हम सब मिलकर प्रार्थना करें. शिल्पा शिंदे को सलाम, जो उनकी देखभाल कर रही हैं. हम सब दुआ करते हैं कि आने वाले कई सालों तक उनकी कलम में स्याही बनी रहे और पूरी दुनिया उनकी क्रिएटिविटी को देख सके. हो सकता है कि आने वाले वक्त में ये टीम अपने दोस्त उनकी क्रिएटिविटी के बंडल और खुशी से दूर न हो. मैं सभी को अपना प्यार भेज रही हूं और किसी चमत्कार के लिए प्रार्थना कर रही हूं.

एक्टिंग का हुनर भी दिखा चुके हैं मनोज संतोषी

कविता कौशिक की इस पोस्ट पर तमाम फैन्स और दोस्तों के कमेंट्स आ रहे हैं और सभी उनके जल्दी से जल्दी ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं. मनोज ने 'तेरा मेरा टेढ़ा मेढ़ा', 'मैडम की पाठशाला' और 'लगे रहो चाचू' जैसे कई शोज लिखे हैं. इसके अलावा वो 'होटल ब्यूटीफुल' और 'तेरा मेरा टेढ़ा मेढ़ा' में एक्टिंग का हुनर भी दिखा चुके हैं.

शिव की भक्ति में लीन हुए अक्षय कुमार, गाया 'महाकाल चलो' गाना

जहां सभी लोग महाकुंभ के स्नान में जुटे हुए हैं, वहीं कुछ वक्त बाद ही सभी महादेव की भक्त में रंगें नजर आने वाले हैं. हालांकि, लोगों से पहले भगवान शिव की भक्ति में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार लीन नजर आ रहे हैं. उन्होंने 26 फरवरी को आने वाले शिवरात्रि से पहले भगवान शिव पर एक गाना रिलीज किया है, जिसकी अनाउंसमेंट उन्होंने कल यानी 17 फरवरी को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कर दी थी. खास बात ये है कि इस गाने को अक्षय कुमार ने पलाश सेन के साथ मिलकर गाया है.

18 फरवरी को अक्षय कुमार का भक्ति में रमा गाना रिलीज किया गया है, इस गाने का टाइटल 'महाकाल चलो' है. गाने के बारे में बात करें, तो इसे विक्रम मोंट्रो ने कंपोज किया है और अक्षय कुमार, पलाश सेन के साथ ये गाना भी गाया है. वहीं इस गाने की लिरिक्स शेखर अस्तित्व ने लिखी है. एक्टर ने जब ये पोस्टर रिलीज किया, जिसमें वो शिवलिंग पकड़े नजर आए थे. इस गाने की लाइन में महाकाल चलने की बात की जा रही है, जो कि उज्जैन में बसा हुआ है.

रिलीज हुआ 'महाकाल चलो' गाना

'महाकाल चलो' म्यूजिक वीडियो 3 मिनट 14 सेकेंड का है, अक्षय ने इस गाने को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. इस पोस्ट में लोग गाने की तारीफ करते नजर आ रहे हैं. वहीं कुछ वक्त पहले पलाश सेन ने अपने इंस्टा पर पोस्ट के जरिए इस गाने के कोलैबोरेशन के लिए अक्षय कुमार को एक लेटर लिखकर पोस्ट किया है. सिंगर ने अपने इस पोस्ट में अक्षय कुमार और म्यूजिक वीडियो में शामिल बाकी लोगों को शुक्रिया अदा किया हुआ है.

कई प्रोजेक्ट्स पर कर रहे हैं काम

अक्षय कुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बात की जाए, तो इस साल वो कई सारे सीक्वल पर काम करने वाले हैं, जिसमें हाउसफुल 5 और वेलकम टू द जंगल शामिल है. वहीं इस साल की शुरुआत में एक्टर की फिल्म स्काई फोर्स सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया. वहीं अक्षय प्रियदर्शन का हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' में भी नजर आने वाले है. इस साल के बीच में एक्टर हेरा फेरी के सीक्वल पर भी काम शुरू करेंगे.

सानिया मिर्जा

के 6 साल के बेटे की होगी बॉलीवुड में एंट्री? शाहरुख खान की फिल्ममेकर दोस्त ने दिया साइनिंग अमाउंट

पूर्व टेनिस खिलाड़ी Sania Mirza अपने खेल ही नहीं, निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में रह चुकी हैं. शोएब मलिक से तलाक के बाद उनका नाम क्रिकेटर मोहम्मद शमी के साथ जुड़ा था, पर पिता ने सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया. सानिया मिर्जा अकेले ही बेटे की परवरिश कर रही हैं. यह तो ज्यादातर लोग जानते हैं कि सानिया मिर्जा के बॉलीवुड वालों के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं. उनकी बेस्टफ्रेंड कोई और नहीं, बल्कि करोड़पति डायरेक्टर फराह खान हैं. शाहरुख खान की दोस्त फराह खान ने सानिया मिर्जा के बेटे इजहान को लॉन्च करने का वादा किया है.

दरअसल फराह खान फिल्में बनाने के साथ ही इस वक्त 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' को जज भी कर रही हैं. साथ ही उनका अपना यूट्यूब पर कुकिंग चैनल भी है. फराह खान के चैनल को 13.1 लाख लोग सब्सक्राइब कर चुके हैं. वहीं 147 वीडियो उन्होंने अपने चैनल पर अपलोड किए हैं. हाल ही में फराह खान के घर उनकी बेस्टफ्रेंड सानिया मिर्जा पहुंची थीं.

सानिया के बेटे को लॉन्च करेंगी फराह खान ?

सानिया मिर्जा ने फराह खान के चैनल के लिए कुकिंग की. वहीं, फराह ने उनके लिए फेवरेट चिकन 65 बनाया था. इस दौरान फराह खान ने सानिया के बेटे को कहा कि- भूलना मत मैं तुम्हें लॉन्च करूंगी, तू मेरा हीरो. ऐसे में सानिया मिर्जा ने भी एक किस्सा सुनाया. वो कहती हैं कि- जब फराह पहली बार उनके बेटे इजहान को देखने आईं थी, तो उस वक्त 10 रुपये का नोट दिया था. इस दौरान फराह खान ने कहा था कि मैं इसे लॉन्च करूंगी.

फराह खान आगे खुद कहती दिखी कि वो साइनिंग अमाउंट था. हालांकि, यह पूरा किस्सा वो हंसी मजाक में सुना रहे थे. ऐसा हो सकता है कि आगे जाकर बिल्कुल फराह खान अपने बेस्ट फ्रेंड के बेटे को लॉन्च करें, पर फिलहाल ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि वो कब बॉलीवुड डेब्यू करेंगे. सानिया मिर्जा भी अपने बेटे को फिल्मों में भेजना चाहती हैं या नहीं, उन्होंने कुछ नहीं बताया. लेकिन पुराना किस्सा शेयर किया है. इस दौरान सानिया मिर्जा के साथ उनकी बहन अनम मिर्जा भी मौजूद थीं.

सानिया मिर्जा और फराह की दोस्ती

फराह खान और पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा बेहद करीबी दोस्त हैं. दोनों अक्सर साथ में दिखते हैं. इतना ही नहीं, कपिल शर्मा के शो में भी साथ पहुंच चुकी हैं. हाल ही में दोनों चिकन बनाती नजर आईं. फराह खान के इस एपिसोड को 21 घंटे में 11 लाख लोग देख चुके हैं.